कोटद्वार, शनिवार
11 अक्टूबर 2025
वर्ष: 47
अंक: 153 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

हत्या के मामले में जेल में बंद आरोपी की जमानत मंजूर

नैनीताल। हाईकोर्ट ने उधमसिंह नगर जिले के खटीमा में एक व्यक्ति की हत्या करने और साक्ष्य मिटाने के आरोपी संकेश राणा उर्फ संकेत राणा को जमानत दे दी है। न्यायमूर्ति आशीष नैथानी की एकल पीठ ने शुक्रवार को मामले की प्रकृति, आरोपी की लंबी कैद और अभियोजन पक्ष की साक्ष्य शृंखला में गंभीर विसंगतियों को देखते हुए यह फैसला सुनाया। यह जमानत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 483 के तहत दूसरी जमानत याचिका पर दी गई है। मृतक के भाई ने पुलिस में दी तहरीर में कहा कि 13 फरवरी 2022 से उसका भाई उदयीमान लापता था। जिसकी गुमशुदगी 17 फरवरी 2022 को दर्ज की गई।19 फरवरी 2022 को एक गड्ढे से उसका शव बरामद हुआ। आरोप लगाया गया कि मृतक की पत्नी राजनंदिनी का आरोपी संकेश राणा के साथ अवैध संबंध था, जिसके कारण दो फरवरी 2022 को मृतक और आरोपी के बीच झगड़ा हुआ था। इसी प्रेम–प्रसंग के मकसद के आधार पर आरोप लगाया गया, कि संकेश राणा ने मृतक की पत्नी के साथ मिलकर उसकी हत्या की और शव दफना दिया। मामले में हाईकोर्ट ने पुलिस की विवेचना को विरोधाभाषी माना। साथ ही आरोपी के लंबे समय से जेल में होने और सुप्रीम कोर्ट के दिशा–निर्देशों के क्रम में आरोपी को जमानत दे दी।

कर्मचारी बोले, दीवाली बोनस, डीए बढ़ोत्तरी का जल्द हो आदेश

देहरादून। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने दीवाली बोनस, डीए बढ़ोत्तरी का जल्द आदेश किए जाने की मांग की। सीएम पुष्कर सिंह धामी को पत्र भेज कर दीवाली से पहले दोनों लाभ सुनिश्चित किए जाने पर जोर दिया। परिषद अध्यक्ष अरुण पांडे ने कहा कि राज्य के कार्मिकों को केन्द्र सरकार की तरह बढ़ी हुई दरों पर महंगाई भत्ते का लाभ दिया जाए। पिछले साल ही की तरह कर्मचारियों को दीपावली से पहले बोनस का भुगतान किया जाए। महामंत्री शक्ति प्रसाद भट्ट ने कहा कि केन्द्रीय कार्मिकों के लिए महंगाई भत्ते की दरों में वृद्धि कर दी गई है। एक जुलाई 2025 से महंगाई भत्ते की दर को संशोधित करते हुए 55% के स्थान पर 58% किए जाने की स्वीकृति दी गई है। उत्तराखंड में भी यही व्यवस्था लागू की जाए।कोषाध्यक्ष रविन्द्र चौहान ने कहा कि दीवाली सबसे बड़ा पर्व है। इसीलिए ये दोनों लाभ समय पर उपलब्ध कराए जाएं। प्रवक्ता आरपी जोशी ने कहा कि परिषद ने राज्य कर विभाग मिनिस्टीरियल स्टाफ एसोशिएसन की मांगों के निस्तारण को भी प्रमुख सचिव वित्त विभाग को पत्र सौंपा है। जल्द सभी पक्षों की बैठक बुलाकर मांगों के निस्तारण की मांग की। कहा कि लम्बे समय से लंबित मांगों के निस्तारण को प्रयास किया जा रहा है। शासन एवं सरकार स्तर से मांगों के निस्तारण को उचित कार्यवाही नहीं की जा रही है, इससे कार्मिकों में रोष व्याप्त है।

ट्रक अनियंत्रित होकर घर में घुसा, दो घायल

देहरादून। मोहब्बेवाला में एक तेज रफ्तार ट्रक दुकानों को तोड़कर एक घर में घुस गया। हादसे में ट्रक चालक और परिचालक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार ट्रक शुक्रवार तड़के बिहारीगढ़ की ओर से देहरादून आ रहा था। मोहब्बेवाला जीएसटी चुंगी से आगे ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए घर में घुस गया। पुलिस ने बताया कि हादसे में घायल ट्रक चालक और परिचालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उत्तरकाशी में 13 नवम्बर से होगा सहकारिता मेला, सीएम करेंगे प्रतिभाग

उत्तरकाशी। सीमांत जनपद उत्तरकाशी में आगामी 13 से 19 नवम्बर तक वृहद सहकारिता मेले का आयोजन किया जायेगा। सात दिनों तक चलने वाले सहकारिता मेलों में स्थानीय उत्पादों, हस्त शिल्पों, बुनकरों एवं काश्तकारों को बढ़ावा दिया जायेगा। इसके साथ ही मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। जिसमें स्टार नाइट के साथ ही स्थानीय लोक कलाकारों एवं विद्यालय के छात्रों को मौका दिया जायेगा। मेले में सीएम पुष्कर सिंह धामी व सहकारिता मंत्री डा. धन सिह रावत भी आएंगे। जिला सहकारी बैंक के महाप्रबंधक मुकेश माहेश्वरी ने बताया कि सीमांत उत्तरकाशी में पहली बार हिमालय जैव संसाधन एवं साहसिक पर्यटन की थीम पर पहली बार सहकारिता मेले का आयोजन किया जा रहा है।

भारतीयों को एक और झटका देने की तैयारी में ट्रंप

एच–1बी वीजा नियमों में और बदलाव की तैयारी

नई दिल्ली ,अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने एच–1बी वीजा को लेकर बड़ा फैसला लिया है। अब इस वीजा की फीस 1 लाख डॉलर (करीब 80 लाख रुपये) कर दी गई है। इसका सीधा असर भारतीय पेशेवरों पर पड़ेगा, क्योंकि इस वीजा का सबसे ज्यादा फायदा अब तक भारतीयों को ही मिलता रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एच–1बी वीजा धारकों में करीब 70 फीसदी भारतीय हैं। ऐसे में फीस में यह बढ़ोतरी उनके लिए बड़ा झटका साबित होगी। ट्रंप प्रशासन यहीं नहीं रुकने वाला है – सरकार अब कुछ और सख्त नियम लागू करने की तैयारी में है, जिनसे यह तय होगा कि कौन व्यक्ति और कौन–सी कंपनियां इस वीजा का इस्तेमाल कर सकेंगी। अमेरिका के गृह विभाग ने एच–1बी वीजा से जुड़े नियमों में बदलाव का प्रस्ताव रखा है। फिलहाल यह एक अस्थायी वीजा कैटिगरी है, जिसके तहत अमेरिकी कंपनियां विदेशों से तकनीकी रूप से दक्ष पेशेवरों को काम पर रख सकती हैं। एच–1बी वीजा की शुरुआत 1990 के इमिग्रेशन ऐक्ट के तहत की गई थी। इसके तहत हर साल 65 हजार वीजा जारी किए जाते हैं, जबकि अमेरिका की यूनिवर्सिटी से मास्टर्स करने वाले 20 हजार छात्रों को अतिरिक्त छूट दी जाती है। प्यू रिसर्च सेंटर की रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में एच–1बी वीजा पाने वाले तीन–चौथाई भारतीय थे। इनमें से 60 फीसदी लोग कंप्यूटर और आईटी सेक्टर में काम करने गए, जबकि बाकी हेल्थ, बैंकिंग, यूनिवर्सिटी और अन्य संस्थानों से जुड़े हैं। इस फैसले से भारतीय आईटी कंपनियों और पेशेवरों पर बड़ा असर पड़ सकता है, क्योंकि अमेरिका में नौकरी पाने की लागत अब पहले से कई गुना बढ़ जाएगी।

रुड़की जेल से फरार हुआ था 50 हजार का इनामी अपराधी, 17 साल बाद गिरफ्तार

देहरादून। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) उत्तराखंड ने नोएडा एसटीएफ टीम की मदद से 17 वर्ष से फरार शातिर ईनामी अपराधी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। यह अपराधी वर्ष 2008 में रुड़की जेल की दीवार कूदकर फरार हुआ था और उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। एसटीएफ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत भुल्लर के अनुसार, गिरफ्तार आरोपित की पहचान हरिसिंह उर्फ हरीश पुत्र रघुवीर निवासी अग्रवाल मंडी टटीरी, जनपद बागपत (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है, जो फर्जी नाम पंजाब व हरियाणा में रह रहा था। वर्ष 2007 में आरोपित को रुड़की में मोबाइल की दुकानों से चोरी के चार मामलों में जेल भेजा गया था। कुछ समय बाद उसने जेल की दीवार कूदकर फरार होने की योजना बनाई और 2008 में भाग निकला। फरारी के बाद वह पंजाब, हरियाणा और अन्य राज्यों में नाम और पहचान बदलकर छिपा रहा। एसटीएफ उत्तराखंड और नोएडा की टीम लगातार इसकी तलाश में जुटी थी। खुफिया सूचना के आधार पर आखिरकार 9 अक्टूबर 2025 को रुड़की क्षेत्र से इसे गिरफ्तार कर लिया गया।

मुख्यमंत्री ने आश्रितों को दिये 50-50 लाख की सहायता राशि के चेक

उपनल के माध्यम से सेवारत तीन कार्मिकों की दुर्घटना में हुई थी मृत्यु

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सचिवालय में उपनल के माध्यम से सेवारत तीन कार्मिकों की दुर्घटना में मृत्यु होने के उपरान्त उनके आश्रितों को 50-50 लाख की सहायता राशि के चेक प्रदान किये। उपनल के माध्यम से विद्युत वितरण खण्ड, जसपुर में तैनात बृजेश कुमार की जनवरी 2025, ब्रिडकुल देहरादून में तैनात तसलीम की नवम्बर 2024 और विद्युत वितरण खण्ड हरिद्वार में तैनात संजीव कुमार की फरवरी 2025 में सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निर्देश पर उत्तराखण्ड के सरकारी, अर्द्ध सरकारी और उपनल कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए कॉर्पोरेट सैलरी पैकेज के तहत अनेक प्रकार की सुविधाएं और बीमा लाभ प्रदान करने के लिए राज्य सरकार और बैंकों के बीच एमओयू किया गया है। राज्य सरकार की इस महत्वपूर्ण पहल के अन्तर्गत कार्मिक की दुर्घटना में मृत्यु होने पर उनके परिजनों को सहायता राशि प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री ने उपनल कर्मचारियों के लिए यह सुविधा प्रदान करने के लिए पंजाब नेशनल बैंक का आभार भी व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी सहायता राशि मानव की कमी को तो पूर्ण नहीं कर सकती है, लेकिन कठिन समय में उनके परिवारजनों को आर्थिक संबल प्रदान करने में मदद करती है। सरकार का प्रयास है कि कर्मचारियों को सुरक्षित और सम्मानजनक कार्य वातावरण के साथ ही कठिन परिस्थितियों में उनके परिवार को हर संभव सुविधा उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि कॉर्पोरेट सैलरी पैकेज के तहत राज्य में कर्मचारियों को बीमा और अन्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर.के.सुधांशु, सचिव दीपेन्द्र चौधरी, अपर सचिव मनमोहन मैनाली, मेजर जनरल शम्मी सबरवाल (से.नि.), एमडी उपनल जे.एन.एस. बिष्ट, पंजाब नेशनल बैंक के जोनल हेड अनुपम, डिप्टी जनरल मैनेजर अभिनंदन, एजीएम अजीत कुमार उपाध्याय मौजूद थे।

हेमकुंड साहिब और लक्ष्मण मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए हुए बंद

यात्राकाल में 2 लाख 75 हजार तीर्थयात्रियों ने गुरुद्वारे में टेका मत्था

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : चमोली जनपद के उच्च हिमालयी क्षेत्र में 15,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित श्री हेमकुंड साहिब एवं पौराणिक श्री लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट शुक्रवार को विधि विधान के साथ 1 बजकर 30 मिनट पर शीतकाल के बंद कर दिए गए हैं। इस दौरान पूरा क्षेत्र बोले सो निहाल, सत श्री अकाल के जयघोष से गूंज उठा।

चमोली जिले की भ्यूडांर घाटी में स्थित श्री हेमकुंड साहिब के कपाट इस वर्ष बीती 25 मई को खुले थे। जिसके बाद इस वर्ष बड़ी संख्या में यहां तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं का पहुंचने का सिलसिला पूरे यात्राकाल में जारी रहा। जिसके चलते इस वर्ष पूरे यात्रा काल में 2 लाख 75 हजार तीर्थयात्रियों ने श्री हेमकुंड साहिब गुरुद्वारे में मत्था टेक कर लक्ष्मण लोकपाल के दर्शन किए। जबकि बीते वर्ष यात्राकाल के दौरान हेमकुंड साहिब की यात्रा पर 1 लाख 83 हजार तीर्थयात्री पहुंचे थे। ऐसे में इस वर्ष धाम में पहुंचने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या ने बीते वर्ष का रिकार्ड तोड़ दिया है। शुक्रवार को धाम में कपाट बंद होने की प्रक्रियाएं सुखमनी साहिब पाठ से हुई, जिसके बाद श्री हरमंदिर साहिब, अमृतसर के हजूरी रागी भाई मनिंदर सिंह ने कीर्तन प्रस्तुत किया। अंतिम अरदास के बाद पंच प्यारों की अगुवाई में श्री गुरु ग्रंथ साहिब को गोविंद धाम ले जाया गया। कपाट बंद होने के मौके पर 2 हजार श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेका। इस मौके पर सीईओ सेवा सिंह, मैनेजर कुलजीत सिंह और सहायक मैनेजर मोनू सिंह सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद थे।

लक्सर के भिक्कमपुर में तीन मरीज डेंगू पॉजिटिव

रुड़की। लक्सर में डेंगू बुखार धीरे–धीरे अपने पैर पसारने लगा है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से भिक्कमपुर गांव में लगाए गए जांच शिविर में 41 मरीजों के ब्लड सैंपल लिए गए, जिनमें से तीन लोगों में डेंगू की पुष्टि हुई है। इन मरीजों का इलाज लक्सर सीएचसी में शुरू कर दिया गया है। गंगा और सोलानी नदी के बीच बसे लक्सर क्षेत्र में बरसात के बाद हर साल मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ता है। इस बार भी सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। लक्सर सीएचसी की ओपीडी में रोजाना लगभग ढाई सौ मरीज पंजीकरण करवा रहे हैं। सीएचसी के डॉ. अनमोल कुमार के अनुसार, वायरल फीवर, खांसी–जुकाम और त्वचा रोगों से पीड़ित मरीजों की संख्या अधिक है। उधर, प्राइवेट अस्पतालों और क्लीनिकों में भी मरीजों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। सीएचसी प्रभारी डॉ. नलिंद असवाल ने बताया कि तीनों मरीजों का इलाज शुरू कर दिया गया है और आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से क्षेत्र में घर–घर जाकर स्वास्थ्य सर्वे कराया जा रहा है।

नोटबंदी में बुरी तरह प्रभावित हुआ बिजनेस

60 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में सामने आया राज कुंद्रा का बयान

नई दिल्ली ,60 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी मामले में बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा से लगातार आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) पूछताछ कर रही है। बीते दिन शिल्पा से मामले में 5 घंटे तक उनके घर पर पूछताछ की गई थी, लेकिन अब राज कुंद्रा का जांच के दौरान दिया बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने बताया कि नोटबंदी की वजह से उनका परिवार कर्जे में आ गया।मुंबई पुलिस ने बयान जारी कर बताया कि आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) से पूछताछ के दौरान राज कुंद्रा ने बताया कि नोटबंदी के कारण उनके कारोबार को भारी नुकसान हुआ था। इलेक्ट्रिकल और घरेलू उपकरणों का बिजनेस करने वाली उनकी कंपनी को नुकसान झेलना पड़ा, जिसकी वजह से वे कर्ज की 60 करोड़ रुपए की रकम चुकाने में असमर्थ रहे। बता दें कि राज कुंद्रा से जांच एजेंसी ने दूसरी बार पूछताछ की है। अधिकारियों ने बताया कि कुंद्रा को आने वाले हफ्तों में फिर से समन किया जाएगा।

इससे पहले बॉम्बे कोर्ट ने भी मामले पर सख्त टिप्पणी की थी। शिल्पा के वकील ने कोर्ट से कोलंबो जाने की परमिशन मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने पूछा कि क्या इवेंट का इनविटेशन आया है। वकील ने कहा कि जब तक कोर्ट से इजाजत नहीं मिलेगी, तब तक इनविटेशन नहीं मिलेगा। ऐसे में कोर्ट ने कहा कि पहले 60 करोड़ की धोखाधड़ी की रकम को भरें और फिर इस बारे में विचार करेंगे। कोर्ट ने साफ कर दिया कि एक्ट्रेस मामले के सुलझ जाने तक देश छोड़कर नहीं जा सकतीं। अब मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी।

धोखाधड़ी मामले में राज कुंद्रा ने बिपाशा बसु, नेहा धूपिया और एकता कपूर को भी प्रोफेशनल तौर पर पैसे देने की बात कही थी। इसी बीच, शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा ने करवाचौथ की प्यारी झलकियां सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। शिल्पा ने सोशल मीडिया पर अपने मेहंदी डिजाइन को फ्लॉन्ट किया है, जिसमें छोटे–छोटे कमल के फूल बने हुए हैं। एक्ट्रेस ने हाथ और पैर दोनों पर मेहंदी लगवाई है। जबकि दूसरी वीडियो में शिल्पा ने अपनी सरगी की झलकियां दिखाई हैं, जिसमें खजूर और ढेर सारी मिठाई रखी है। बता दें कि पंजाब में करवाचौथ के दिन ब्रह्म मुहूर्त में सरगी खाने की परंपरा है।

चले थे भारत को नीचा दिखाने, खुद जाल में फंस गया पाकिस्तान

सदाबहार दोस्त ने ही क्यों झटका हाथ?

नई दिल्ली। पड़ोसी देश पाकिस्तान भारत को नीचा या कमतर दिखाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक भी मौका नहीं गंवाता है लेकिन हर बार उसकी ऐसी चाल नाकाम हो जाया करती है और पाकिस्तान को औंधे मुंह गिरना पड़ता है। कुछ ऐसा ही फिर हुआ। जब ट्रंप टैरिफ पर भारत और अमेरिका के बीच दूरियां बढ़ने लगीं तो पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और वहां के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने इसे सुनहरा मौता समझा और डोनाल्ड ट्रंप की चापलूसी में जुट गए।

पाक नेताओं ने ट्रंप को नोबेल पुरस्कार दिलाने के लिए उनकी तारीफों को पुल बांधे। मई के शुरुआती हफ्ते में हुए चार दिनों के सैन्य संघर्ष को रोकने में भी ट्रंप की मध्यस्थता की बात कबूल की, जिससे भारत इनकार करता रहा है। पाकिस्तान ने अमेरिकी हथियारों का जखीरा खरीदने का भी ऐलान कर दिया। फिर पाकिस्तानी रेयर अर्थ मिनरल्स के लिए भी अमेरिका के दरवाजे खोल दिए ताकि अमेरिका खुश होकर उन पर पैसों की बारिश कर दे लेकिन उसकी इन हरकतों से उसका सदबहार दोस्त और आर्थिक मददगार चीन नाराज हो गया है।

चीन ने पाकिस्तान को पैसे देने से किया इनकार

अब चीन ने पाकिस्तानी परियोजनाओं में पैसा लगाने से इनकार कर दिया है। भारत के पूर्व विदेश राज्य मंत्री एमजे अकबर ने समाचार एजेंसी अठक से बातचीत में दावा किया है कि चीन ने पाकिस्तान को करारा झटका देते हुए रेल प्रोजेक्ट में पैसे लगाने से इनकार कर दिया है।

अकबर ने कहा, "चीन से मिलने वाले पैसे अब बंद हो रहे हैं। पाकिस्तान के लिए यह एक बड़ा संकट है। चीन ने लगभग 6–7 अरब डॉलर की रेलवे परियोजना के लिए धन देने से इनकार कर दिया है, क्योंकि उन्हें भ्रष्टाचार और पैसे की बर्बादी दिखाई दे रही है। उन्हें पैसे वापस आने की कोई उम्मीद नहीं दिख रही है।" अकबर ने कहा कि चीन अब पाकिस्तानी पैंतरों से सतर्क हो गया है।

पाकिस्तान एक "जेली स्टेट"

इससे पहले पूर्व विदेश राज्य मंत्री ने कहा था कि पाकिस्तान एक "जेली स्टेट" है, क्योंकि उसने अपनी समृद्ध सिंधु घाटी सभ्यता को त्याग दिया है। अकबर ने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी उनकी बात से सहमत हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक कृत्रिम समाज बनाने की कोशिश कर रहा है, जिससे वह कमज़ोर होता जा रहा है। अकबर ने बताया, ह्लजेली स्टेट वह होता है जो हमेशा अस्थिर रहता है। मक्खन पिघल जाएगा, जेली नहीं पिघलेगी। लेकिन जेली कभी स्थिर नहीं रहेगी और क्योंकि यह एक परमाणु शक्ति है, यह एक विषैला जेली स्टेट होगा।

विचाराधीन कैदियों को मताधिकार मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और चुनाव आयोग से मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर की जेलों में बंद लगभग 4.5 लाख विचाराधीन कैदियों के मताधिकार को फिर मान्यता देने की मांग वाली एक जनहित याचिका पर केंद्र और चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने वकील प्रशांत भूषण की इस दलील पर गौर किया कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 62(5) के तहत लगाया गया वर्तमान पूर्ण प्रतिबंध संवैधानिक गारंटी और अंतर्राष्ट्रीय लोकतांत्रिक मानदंडों का उल्लंघन करता है। पटियाला की सुनीता शर्मा ने दायर की याचिका

याचिका में क्या मांग की गई?

इस याचिका में यह सुनिश्चित करने के लिए न्यायिक दखल की मांग की गई है कि जिन कैदियों को चुनावी अपराधों या भ्रष्टाचार का दोषी नहीं ठहराया गया है, उन्हें मनमाने ढंग से उनके लोकतांत्रिक मताधिकार से वंचित न किया जाए।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को हुई बीस साल की सजा

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विशेष सत्र न्यायाधीश (पॉक्सो) पौड़ी की अदालत ने नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 21 हजार का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड जमा नहीं किए जाने पर दोषी को छः माह के अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत में 14 गवाह पेश किए गए।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता विजेंद्र सिंह रावत ने बताया कि थाना पैठाणी पुलिस को बीते 18 जून 2023 को एक किशोरी अपने पिता के साथ थाने आई थी। जहां उन्होंने पुलिस को एक तहरीर सौंपी थी। तहरीर में किशोरी ने बताया था कि गांव के ही एक युवक से मेरा एक साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। बीते 18 नवंबर 2022 को मेरे घर पर कोई नहीं था। घर में मैं अकेली थी, इसी दौरान प्रेमी घर आया और उसने मुझे बहला-फुसलाकर मेरे साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। प्रेमी ने विरोध करने व घटना की जानकारी किसी को देने पर परिजनों को जान से मारने की धमकी दी। बताया कि प्रेमी ने इसके बाद भी एक-दो बार जबरन शारीरिक संबंध बनाए, जिससे गर्भवती हो गई। बताया कि 1 मई 2023 को मैं अपनी चाची के घर देहरादून गई।

जहां मैंने घटना की जानकारी चाची व बुआ को दी। बुआ ने माता-पिता को यह जानकारी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ दुष्कर्म, जान से मारने की धमकी व पॉक्सो एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज किया था। आरोपी को 19 जून 2023 को गिरफ्तार कर अदालत के आदेश पर जेल भेज दिया था। किशोरी ने एक बच्चे को जन्म दिया। डीएनए जांच में युवक के बच्चे का जैविक पिता होने की पुष्टि हुई।

देशभर में दिखाई दिया चांद, अर्घ्य देकर पूरा हुआ सुहागिनों का महापर्व करवा चौथ

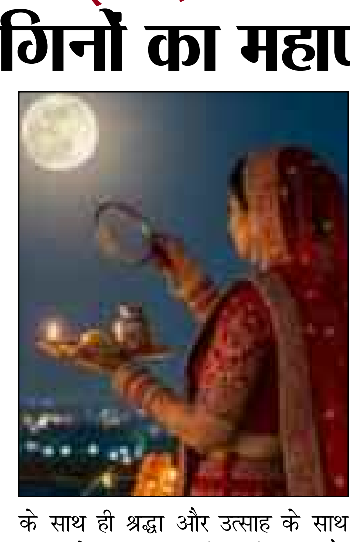

नई दिल्ली। देशभर में चांद के निकलने के साथ ही करवा चौथ के त्योहार का समापन हो चुका है। सुहागिन महिलाओं ने निर्जला व्रत रखते हुए चांद को अर्घ्य देकर व्रत को पूरा किया। इसके साथ ही चंद्रदेव से पति की लंबी आयु की कामना करते हुए प्रार्थना की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

साल 2026 में कब मनाया जाएगा करवा चौथ

इस साल का करवा चौथ अब पूरा हो चुका है। हर वर्ष यह त्योहार कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है।

अब साल 2026 में करवा चौथ 29 अक्तूबर को मनाया जाएगा। करवा चौथ का पावन व्रत देशभर में चंद्रमा के दर्शन के साथ ही श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हो गया। पति की लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना के लिए रखा गया यह निर्जला उपवास, जैसे ही रात को चंद्रमा निकला, पूरे भक्तिभाव के साथ पूर्ण किया गया।सुबह सूर्योदय से शुरू हुए इस कठिन व्रत के दौरान लाखों सुहागिनों ने बिना पानी पीए दिनभर उपवास रखा।

शाम होते–होते सभी की नजरें आसमान पर टिकी थीं, और जैसे ही चांद ने दर्शन दिए, हर घर और मंदिर में उत्सव जैसा माहौल बन गया।

दिल्ली, मुंबई, लखनऊ जयपुर और कोलकाता सहित देश के विभिन्न हिस्सों से चांद दिखने की खबरें आईं, और इसी के साथ व्रती महिलाओं ने अर्घ्य देकर अपने व्रत का पारण किया। श्रद्धा, प्रेम और समर्पण से भरा यह पर्व एक बार फिर पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

पैर फिसलकर नदी में गिरने से मजदूर की मौत

रुड़की। कोतवाली क्षेत्र के पीपली गांव निवासी 40 वर्षीय कुलबीर मजदूरी करता था। बुधवार की सुबह वह काम के लिए घर से निकला था। शाम तक वापस नहीं लौटने पर परिजन उसे ढूंढ रहे थे। शुक्रवार सुबह उन्हें गांव से थोड़ा दूर पथरी नदी में उसका शव मिला। उनका मानना है कि नदी किनारे से गुजरते समय पैर फिसलने से कुलवीर पानी में गिरा होगा। इसी में डूबकर उसकी मौत हुई है। सूचना पर पहुंची लक्सर पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी। उधर परिजनों ने डीएम से मिलकर पोस्टमार्टम न करने की मांग की, जिस पर उन्होंने स्वीकृति दे दी। लक्सर कस्बा चौकी प्रभारी एसआई विपिन कुमार ने बताया कि डीएम के आदेश पर शव बिना पोस्टमार्टम कराए परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

मैं यह पुरस्कार ट्रंप को समर्पित करती हूं..

शांति का नोबेल मिलने पर बोलीं मारिया मचाडो

काराकास (वेनेजुएला), वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो ने शांति का नोबेल पुरस्कार जीतकर इतिहास रच दिया है। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस पुरस्कार से चूक गए, लेकिन मचाडो ने डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका को इसका श्रेय दिया है। अपनी पहली प्रतिक्रिया में उन्होंने ट्रंप का इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए शुक्रिया अदा किया है। मचाडो को उनके लोकतांत्रिक परिवर्तन प्रयासों के लिए नोबेल शांति पुरस्कार मिला है। इस सम्मान के लिए उन्होंने आभार व्यक्त किया और इसे वेनेजुएला के लोगों के स्वतंत्रता संग्राम की मान्यता करार दिया।

वहीं इस सम्मान के बाद मचाडो के पहले बयान ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। उन्होंने इस पुरस्कार को वेनिजुएलावासियोंह्ल के साथ–साथ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी समर्पित किया है। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में मचाडो ने लिखा कि आज हम जीत की दहलीज पर हैं और पहले से कहीं ज्यादा हम राष्ट्रपति ट्रंप, संयुक्त राज्य अमेरिका के लोग, लैटिन अमेरिका के लोगों और दुनिया के लोकतांत्रिक देशों पर स्वतंत्रता और लोकतंत्र प्राप्त करने के लिए अपने प्रमुख सहयोगियों के रूप में भरोसा करते हैं। मैं यह पुरस्कार वेनेजुएला के पीड़ित लोगों और हमारे उद्देश्य के प्रति उनके निर्णायक समर्थन के लिए राष्ट्रपति ट्रंप को समर्पित करती हूं!

आयरन लेडी के नाम से मशहूर मचाडो

आयरन लेडी के नाम से भी मशहूर मचाडो का नाम टाइम पत्रिका की '2025 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों' की सूची में शामिल है। मचाडो ने सुमाते नाम के संगठन की स्थापना की, जो लोकतंत्र की बेहतरी के लिए काम करता है। जो कि मुफ्त और निष्पक्ष चुनावों की मांग करता रहा है। बता दें कि मारिया कोरिना मचाडो साल 2024 के चुनाव से पहले विपक्ष की राष्ट्रपति उम्मीदवार थीं, लेकिन वेनेजुएला की सरकार ने उम्मीदवारी रद्द कर दी।

सम्पादकीय

पुनः आंदोलन की सुगबुगाहट

21 सितंबर को उत्तराखंड में हुई स्नातक स्तरीय परीक्षा में गड़बड़ी के बाद शुरू हुआ आंदोलन भले ही मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद कुछ समय के लिए समाप्त किया गया लेकिन आंदोलन के दौरान दी गई समय मियाद समाप्त हो चुकी है। यानी की स्पष्ट है कि छात्र नेता नियत समय 10 दिन में परीक्षा निरस्त न होने के बाद अपना आंदोलन पुनः शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि अभी इस दिशा में सरकार का पक्ष आना बाकी है और भाजपा की कुछ विधायक भी मुख्यमंत्री से परीक्षा निरस्त करने को लेकर मिले हैं। इस प्रकरण को लेकर राजनीति का ग्राफ अब एक बार फिर से लगातार ऊपर उठ रहा है। लगभग आठ दिन चले इस आंदोलन में छात्रों के बीच मुख्यमंत्री खुद वार्ता के लिए पहुंचे थे और धरना स्थल पर ही उन्होंने छात्रों की तीनों मांगों पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया था जिसमें एक मुख्य मांग 10 दिन के अंदर परीक्षा को निरस्त करने की भी थी। इधर अब यह 10 दिन का अल्टीमेट समाप्त हो चुका है और उत्तराखंड बेरोजगार संघ की ओर से बयान जारी कर दिया गया है कि इस संबंध में बड़ा फैसला संघ लेने वाला है। यानी कि स्पष्ट है यदि सरकार अगले 24 घंटे में परीक्षा निराश करने का फैसला नहीं लेती है तो फिर निश्चित तौर पर आंदोलन का एक और चरण देहरादून के परेड ग्राउंड से देखा जा सकता है। छात्रों के बीच जाकर मुख्यमंत्री ने सलाह का जो रास्ता निकाला था उसे उन्होंने वाहवाही तो जरूर बटोरी लेकिन इस दौरान सरकार की मंशा पर भी सवाल उठाए गए थे और कहा गया था कि यह सब सिर्फ एक झुनझुना ही साबित होने वाला है। प्रदेश में होने वाली प्रतियोगी परीक्षाएं अपनी विश्वसनीयता खो रही है और अब यह बेहद जरूरी है कि सरकार इन परीक्षाओं को निर्विवाद बनाने के लिए पारदर्शी नीति अपनाए। प्रदेश का युवा भ्रम की स्थिति में है और अब उसे यह लगने लगा है कि राज्य सरकार और आयोग किसी भी परीक्षा को निर्विवाद संपन्न कराने की स्थिति में नहीं है। सरकार के लिए युवाओं में पनपती यह सोच अच्छा संकेत नहीं है खास तौर से उन परिस्थितियों में जबकि 2027 में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। फिलहाल प्रतीक्षा है अगले कुछ घंटे में उस निर्णय की जब सरकार और बेरोजगारों के बीच के तनाव का कोई हल खोजा जाएगा।

इस समय तो आतंक भी कूटनीति !

श्रुति व्यास

अजीब समय है। ज़्यादा पुरानी बात नहीं है जब आतंकवाद दुनिया की सबसे बड़ी चिंता थी। वॉर ऑन टेरर में हर देश की हिस्सेदारी थी। न्यूयॉर्क से लेकर मुंबई तक हर हमला इस बात को फिर से पक्का करता था कि आतंक बुराई है और दुनिया इसके खि़लाफ़ एकजुट है। दुश्मन को एक धार्मिक पहचान भी दी गई – उसे कहा गया इस्लामिक आतंकवाद। तब बताया गया था कि यही इस सदी का निर्णायक युद्ध है – वह संघर्ष जो हमारे युग की पहचान बनेगा। लेकिन इक्कीसवीं सदी, जिसकी स्मृति छोटी और थकान लंबी है, अब पूरा चक्रघूम चुकी है। वही लोग जो कभी अंधेरे में छिपे रहते थे – जिन पर इनाम था, जिन्हें सभ्यता का दुश्मन कहा गया था, इन दिनों कूटनीति की मेज़ों पर बैठे हैं। वे सत्ता के गलियारों में चलते हैं, राष्ट्रों के प्रतिनिधि बनकर स्वागत पाते हैं।

यह संकेत है। यह चिंता है। और यह विडंबना भी। सिर्फ़ पिछले हफ़्ते ही अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र में दिलचस्प नजारा था। सीरिया के स्वयंभू अंतरिम नेता अहमद अल–शरा का। वही अल–शरा जो कभी सीरिया के अल–नुसरा फ्रंट का चेहरा था, नागरिकों पर हमलों के लिए 10 मिलियन डॉलर का इनामी आतंकवादी। आज वही व्यक्ति संगमरमर के गलियारों से गुज़रता हुआ उन्हीं राजनयिकों के साथ तस्वीरें खिंचवा रहा था जिन्होंने कभी उसे आतंकवादी कहा था।

असद को हटाने के बाद अब वह एक सुधारक नेता के रूप में शांति, स्थिरता और पुनर्निर्माण की बातें करता है। भाषा बदल गई है, लेकिन अतीत नहीं। उनका अमेरिका का दौरा 1967 के बाद किसी सीरियाई नेता की संयुक्त राष्ट्र महासभा में पहली उपस्थिति थी।

सबसे विचित्र था न्यूयॉर्क के मिडटाउन मैनहट्टन के एक निजी क्लब का दृश्य – जहाँ कारोबारी, राजनयिक और पत्रकार भरे थे। वहीं अल–शरा जिहादी से राजनेता बनने की अपनी यात्रा का बखान कर रहे थे। और सब सुन रहे थे – गम्भीरता से, शायद आदर के साथ।

उन्होंने एक बिंदु पर अपने अतीत का बचाव भी किया – इस आत्मविश्वास से कि दुनिया हमेशा प्रायश्चित की कहानी सुनना चाहती हैः

उन्होंने कहा– जो भी किसी बच्चे को सड़कों पर मरते देखेगा, वह विद्रोह करेगा। .. दबाव इतना था कि लोगों ने अपने पास जो साधन थे, उन्हीं में समाधान खोजे। जो बात कभी निंदा का विषय होती, अब सहानुभूति बटोर रही थी – जैसे आघात की भाषा अब आतंक की भाषा को धो सकती है। डरावना यह नहीं कि उसने कहा, बल्कि यह कि दुनिया ने सुना – आक्रोश में नहीं, बल्कि कौतुक व आकर्षण में। जाहिर है हम ऐसे युग में हैं जहाँ भाषा किसी भी अपराध को वैध बना सकती है – जहाँ कभी आतंकवादी कहे जाने वाले अपने अपराधों को कथा में, और कथा को कूटनीति में बदल देते हैं।

और फिर हैं तालिबान। वही तालिबान जिनसे दो महाशक्तियों ने बीस साल तक युद्ध लड़ा,। वह आज काबुल में सत्ता में हैं और चार साल बाद वही राष्ट्र जो कभी उन्हें मिटाने की क़सम खाते थे, अब उनसे राजनयिक रिश्ते बना रहे हैं।

एक ऐसी सत्ता जो आधी आबादी – महिलाओं – को सार्वजनिक जीवन से मिटा चुकी है, लड़कियों की शिक्षा पर प्रतिबंध लगा चुकी है, और मध्ययुगीन फ़रमान वापस ला चुकी है – उससे भी अब दुनिया व्यवहारिक संबंध बना रही है।

भारत भी प्रैग्मैटिज़्म की इस परेड में शामिल है। इस महीने अफ़ग़ान विदेश मंत्री आमिर ख़ान मुत्ताक़ी का भारत आना तय है।

भारतीय अधिकारियों ने इसे द्विपक्षीय संबंधों का नया अध्याय कहा है – यानी कूटनीतिक भाषा में अतीत को भुलाने का

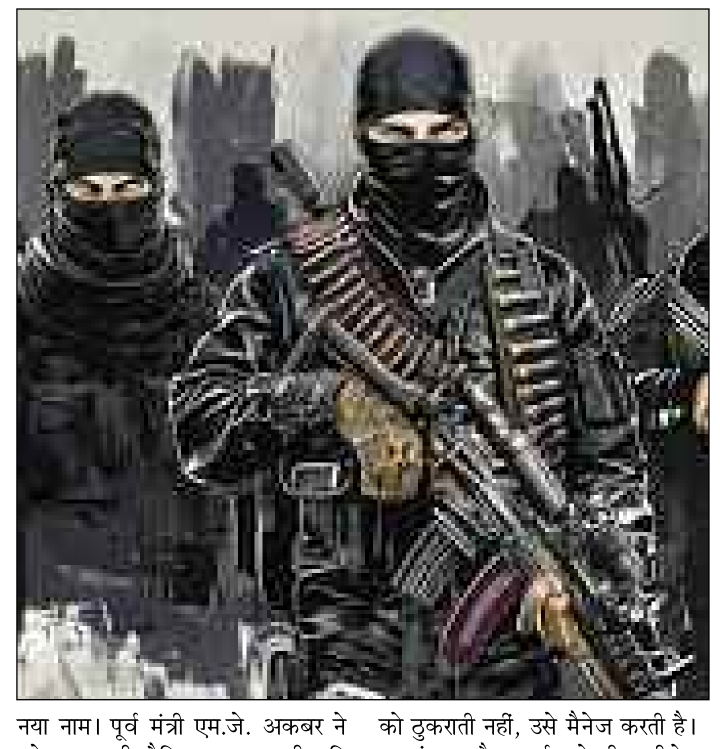

नया नाम। पूर्व मंत्री एम.जे. अकबर ने इसे भारत की वैश्विक पहचान की पुष्टि बताया और जोड़ा कि यह संकेत है कि दुनिया अब प्रधानमंत्री मोदी की ओर हाथ बढ़ा रही है। पर क्या वास्तव में ऐसा है? या यह उल्टा है – कि भारत, तालिबान को मेज़ पर आमंत्रित करके, उन्हें वैधता दे रहा है और नैतिक रूप से अस्वीकार्य को स्वीकार्य बना रहा है?

निश्चित ही रीयलपॉलिटिक के अपने तर्क हैं। पाकिस्तान के साथ सीमाई तनाव के बाद भारत ने समझा है कि काबुल को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। इज़राइल के युद्ध ने पश्चिमी गठबंधनों को अस्थिर किया, वहीं पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर ने वॉशिंगटन और रियाद में फिर प्रभाव जमाया। ऐसे में नई दिल्ली ने अफ़ग़ानिस्तान को नैतिक नहीं, रणनीतिक सहयोगी के रूप में देखा – एक भू–राजनीतिक सहूलियत के तौर पर। लेकिन यही तो हमारे समय की असली त्रासदी है। दुनिया अब उग्रवाद को ठुकराती नहीं, उसे मैनेज करती है।

संवाद और समर्थन के बीच की रेखा अब स्थिरता की भाषा में घुल चुकी है। तालिबान को बदलने की ज़रूरत नहीं पड़ी; दुनिया ने ही अपनी दृष्टि बदल ली।

अहमद अल–शरा को अपने अतीत को बदलने की नहीं, दुनिया को अपने सिद्धांत बदलने की ज़रूरत थी।

और यह पहली बार नहीं जो हिंसा को कूटनीति में बदला गया।

1970 के दशक में यासिर अराफ़ात और पीएलओ अपहरणों और हत्याओं के पर्याय थे। लेकिन 1993 तक अराफ़ात व्हाइट हाउस के लॉन पर बिल क्लिंटन और यित्ज़ाक राबिन से हाथ मिला रहे थे – और नोबेल शांति पुरस्कार साझा कर रहे थे। दुनिया ने आतंकवाद को परास्त नहीं किया, उसने उसका नाम बदलकर राज्यत्व रख दिया।

नेल्सन मंडेला की अफ़्रीकन नेशनल कांग्रेस को कभी वाशिंगटन और लंदन दोनों ने आतंकवादी संगठन कहा था।

लेकिन 1994 तक मंडेला राष्ट्रपति बने – और वही पश्चिमी राजधानियाँ जिन्होंने उन्हें कभी निंदा की थी, अब उन्हें नैतिक संत के रूप में माला पहना रही थीं। वह दुनिया के माफ़ करने वाले नायक बने – क्योंकि अब उनका संघर्ष पश्चिम के हितों को चुनौती नहीं देता था। बहिष्कृत को भविष्यवक्ता बना दिया गया – इतिहास के सबसे सुविधाजनक प्रायश्चितों में से एक।

अफ़ग़ान मुजाहिदीन, जिन्हें अमेरिका ने सोवियत संघ के खि़लाफ़ स्वतंत्रता सेनानी कहा, वही आगे चलकर तालिबान और अल–क़ायदा बने। वॉर ऑन टेरर का मक़सद इस चक्र को तोड़ना था, लेकिन उसने इसे संस्थागत बना दिया।

पाकिस्तान, जो तालिबान को शरण देता रहा, अमेरिका का मेजर नॉन–नाटो एलाय बना।

सऊदी अरब, जहाँ से 9/11 के अधिकतर हमलावर आए, वही रणनीतिक साझेदार बना रहा।

इराक पर अमेरिकी आक्रमण, जो आतंक–विरोध के नाम पर हुआ, उसने आईएसआईएस को जन्म देने वाला रिक्त स्थान पैदा किया।

सो जो युद्ध नैतिक अभियान के रूप में शुरू हुए वे अंततः हिंसा की नौकरशाही बन गया। और जब थकान ने जोश की जगह ले ली, तब दुनिया ने चुपचाप अपने ही विरोधाभासों से समझौता किया है।

यह सब क्या बताता है?

कि सामान्यीकरण जारी है। किसी समूह की वैधता अब उसके आचरण पर नहीं, उसकी उपयोगिता पर निर्भर है।

और इतिहास गवाह है – कल की कूटनीतिक मेज़ों पर आज के बहिष्कृत भी होंगे।

हमास, जिसे पश्चिम अब भी आतंकवादी कहता है, भविष्य के ग़ाज़ा समाधान में अनिवार्य पक्षकार माना जा रहा है। हूथी विद्रोही, जिन्हें सऊदी गठबंधन ने कभी लगातार बमबारी का निशाना बनाया, अब यमन की स्थिरता के साझेदार कहे जा रहे हैं। नैतिक नक़्शा बार–बार सुविधा के हिसाब से फिर से खींचा जा रहा है।

जहाँ तक वॉर ऑन टेरर का सवाल है, सच्चाई यह है कि यह कभी आतंक के खि़लाफ़ युद्ध था ही नहीं। यह नियंत्रण का युद्ध था – इस बात पर कि वैधता की परिभाषा कौन तय करेगा।

नाम बदलते हैं, तर्क वही रहते हैं।

जो सशस्त्र समूह सत्ता–संतुलन में काम आते हैं – प्रतिद्वंद्वियों को साधने, सीमाएँ नियंत्रित करने या प्रवासन रोकने में – वे राजनीतिक अभिनेता बन जाते हैं। जो नहीं आते, वे आतंकवादी बने रहते हैं। यह विकास नहीं, पतन है – एक धीमा, सुनियोजित पतन जिसने 9/11 के बाद की नैतिक निश्चितताओं, पैमानो को खोखला कर दिया है।

पश्चिम, जो अंतहीन युद्धों और घरेलू भ्रम से थक चुका है, अब सिद्धांतों की जगह स्थिरता को चुन चुका है।

जो लोकतंत्र कभी मानवाधिकारों की भाषा बोलते थे, अब रीअलिटी मैनेजमेंट की बात करते हैं।

परिणामः एक ऐसी दुनिया जो अब न्याय नहीं चाहती, सिर्फ़ शक्ति चाहती है।

शायद यही नई कूटनीति है – उन चीज़ों के साथ सह–अस्तित्व की कला, जिनसे कभी भय था।

तालिबान अब राजनेता हैं, अहमद अल–शरा सुधारक हैं, और हिंसा – अगर वह सही झंडे के नीचे हो – तो स्वीकार्य शक्ति का औज़ार है।

आतंकवाद, जो कभी कूटनीति की विफलता था, अब उसी का हिस्सा बन गया है।

और यही हमारे समय की अंतिम त्रासदी है – दुनिया ने उग्रवाद को हराया नहीं, बस उसे स्वीकार कर लिया है। उसे कूटनीति के परिधान में सजाया है, और इसे प्रगति कहा है। इस तरह की शांति क्या टिकेगी या हमें सताएगी – इसका फ़ैसला, हमेशा की तरह, समय ही करेगा।

बिहार से शुरुआत हो

अच्छी बात है कि केंद्र में सत्ताधारी गठबंधन में शामिल दलों की बिहार की ईकाइयों ने भी निर्वाचन आयोग के सामने कहा कि एक या दो चरणों में चुनाव करवा कर दलों एवं उम्मीदवारों को अतिरिक्त खर्च के बोझ से बचाया जा सकता है। खर्च के अलावा हाल में एक दूसरी समस्या भी खड़ी हुई है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के रख–रखाव और उस दौरान कथित हेरफेर की शिकायतों का फैलना अब हर चुनाव की कहानी बन गया है।

कई चरणों में मतदान आम चलन बना हुआ है। मगर साथ ही यह धारणा भी मजबूत हुई है कि इस तरह चुनाव को अत्यधिक खर्चीला बनाया गया है, जिससे कम संसाधन वाले दलों के लिए प्रतिकूल स्थितियां बनी हैं।

बिहार के राजनीतिक दलों में बनी यह सहमति महत्त्वपूर्ण है कि विधानसभा चुनाव के लिए मतदान एक या अधिक से अधिक दो चरणों में कराया जाना चाहिए। निर्वाचन आयुक्तों के साथ बैठक में इन दलों ने यह राय दो–टूक लहजे में बताई। उनका यह तर्क गौरतलब है कि राज्य में ना तो कानून–व्यवस्था की कोई समस्या है और ना ही अब पहले जैसे नक्सल ग्रस्त इलाके हैं, जिन्हें तर्क बना कर अनेक चरणों में मतदान कराने की शुरुआत की गई थी। हालांकि 1990 के दशक में जब यह शुरुआत हुई, तब भी इसके पीछे की मंशा पर सवाल उठे थे, लेकिन तब प्रभु वर्ग में बिहार और पश्चिम बंगाल को लेकर एक खास तरह का प्रतिक्रिया भाव था, जिससे आयोग इस योजना को अमली जामा पहना सका।

कई चरणों में मतदान धीरे–धीरे देश के अनेक हिस्सों में आम चलन बन गया। मगर साथ ही यह धारणा भी मजबूत हुई है कि इस तरह चुनाव को अत्यधिक खर्चीला बनाया गया है, जिससे कम संसाधन वाले दलों के लिए प्रतिकूल स्थितियां बनी हैं। जबकि यह सत्ताधारी दलों के अनुकूल रहा है। अच्छी बात है कि केंद्र में सत्ताधारी गठबंधन में शामिल दलों की बिहार की ईकाइयों ने भी निर्वाचन आयोग के सामने कहा कि एक या दो चरणों में चुनाव करवा कर दलों एवं उम्मीदवारों को अतिरिक्त खर्च के बोझ से बचाया जा सकता है। खर्च के अलावा हाल में एक दूसरी समस्या भी खड़ी हुई है।

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के रख–रखाव और उस दौरान कथित हेरफेर की शिकायतों का फैलना अब हर चुनाव की कहानी बन गया है। इस संबंध में मतदान से लेकर मतगणना के दिन तक सोशल मीडिया पर तरह–तरह की चर्चाएं छायी रहती हैं। इसका भी समाधान मतदान के बाद यथाशीघ्र गणना ही है। वैसे भी वोट डालने के बाद हफ्तों या कई बार महीने भर से भी ज्यादा तक परिणाम का इंतजार करना विसंगति भरा अहसास देता है। इसलिए बिहार के दलों ने जो कहा है, निर्वाचन आयोग को अवश्य ही उसके अनुरूप चुनाव कार्यक्रम घोषित करना चाहिए। इससे एक नई शुरुआत होगी, जिसे देश भर में अपनाया जा सकेगा।

कठघरे में निगरानी व्यवस्था

कफ सिरप से मौतों की खबरें भी हाल के वर्षों में सुर्खियों में रही हैं। इसी तरह अस्पतालों में अग्निकांड का सिलसिला भी लंबा होता गया है। ऐसी घटनाओं में एक समान पहलू नियामक संस्थाओं की गैर–जिम्मेदारी रहा है।

जयपुर के सवाई मान सिंह अस्पताल में हुए हृदयविदारक अग्निकांड ने देश में निरीक्षण और निगरानी की कमजोर पड़ती जा रही व्यवस्था को फिर उजागर किया है। यह घटना उस समय हुई है, जब कई राज्यों में कफ सिरप के सेवन से दर्जन भर से अधिक बच्चों की मौत की खबरों से देश हिला हुआ है। ये मौतें भी इसीलिए हुईं, क्योंकि दवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का कार्य देश में पर्याप्त चुस्ती नहीं हो रहा है। गौरतलब है कि जयपुर के जिस अस्पताल में अग्निकांड हुआ, वह सरकारी है; जबकि तमिलनाडु की जिस कंपनी ने कोल्ड्रिफ नाम का कफ सिरप बनाया, वह प्राइवेट सेक्टर की है। मतलब यह कि सेक्टर चाहे जो हो, वहां ऐसे मामलों में भी लगातार लापरवाही बरती जा रही है, जिनका संबंध सीधे इनसान की जान से है।

अगंभीर नजरिये का आलम यह है कि कोल्ड्रिफ पीने से मौतों की खबर आने के तुरंत बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस कफ सिरप में डाइथीलीन ग्लाइकोल मौजूद होने का खंडन कर दिया। लेकिन जब राजस्थान और मध्य प्रदेश (जहां सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं) में बेचे गए सिरप के नमूनों की जांच तमिलनाडु में हुई, तो इस हानिकारक तत्व की मौजूदगी की पुष्टि हुई। यह अंतर क्या बताता है? यही कि अधिकारियों की आरंभिक कोशिश किसी गंभीर मामले को भी रफ़ा–दफ़ा करने की होती है। स्पष्टतः ऐसे नजरिए से मिलावट या गुणवत्ता से अन्य समझौते कर मुनाफा बढ़ाने की होड़ में लगे धंधेबाजों का मनोबल बढ़ता है।

रश्मिका मंदाना की राह पर कृति शेट्टी

कृति शेट्टी साउथ इंडिया सिनेमा में बहुत कम समय में तेज़ी से एक नया नाम बनकर उभर रही हैं, जिस पर ध्यान देना ज़रूरी है। अपनी बेहतरीन स्क्रीन प्रेज़ेंस, स्वाभाविक आकर्षण और उप्पेना, श्याम सिंघा रॉय, बंगाराजु और द वॉरियर जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपने बहुमुखी अभिनय के साथ, उन्होंने दर्शकों और फिल्म निर्माताओं, दोनों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। जिस तरह एक समय में रश्मिका मंदाना ने पूरे देश में लोकप्रियता हासिल की थी, उसी तरह कृति भी अपनी शानदार अभिनय क्षमता और सादगी भरी मौजूदगी से उसी दिशा में आगे बढ़ती दिख रही हैं। जो उन्हें अपनी पीढ़ी के सबसे होनहार चेहरों में से एक बनाता है। काफी कम समय में, कृति ने प्रभावशाली भूमिकाओं का एक ऐसा संग्रह तैयार किया है। जिन किरदारों को कृति ने निभाया है, वे दिखाते हैं कि वह अलग–अलग जॉनर में – चाहे रोमांस हो या गंभीर ड्रामा – उनमें खुद को ढालने में पूरी तरह सक्षम हैं। उनके अभिनय में भावनात्मक जुड़ाव और कैमरे के सामने सहजता, उन्हें अपने समकालीन कलाकारों की तुलना में अलग पहचान दिलाती हैं। अपनी उम्र से कहीं ज़्यादा आत्मविश्वास और परिपच्क्ता दिखाने वाली कृति की यही खूबियाँ उन्हें उस इंडस्ट्री में अलग बनाती हैं जो हमेशा नई टैलेंट की तलाश में रहती है। कृति शेट्टी की पहचान सिर्फ एक मौजूदा लोकप्रिय कलाकार के रूप में नहीं, बल्कि एक भरोसेमंद और टिकाऊस्टार के रूप में बन रही है।

ईशा गुप्ता ने बयां की बॉलीवुड में अपने 13 सालों के सफर और मानसिक स्वास्थ्य पर अपने दिल की बात

फिल्म जन्नत 2 से धमाकेदार डेब्यू करने के बाद अब ईशा गुप्ता को बॉलीवुड में 13 साल पूरे हो चुके हैं। इन सालों में ईशा ने खुद को एक बहुमुखी अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया है। हाल ही में बॉम्बे टाइम्स से बातचीत में ईशा ने अपने इस सफर को एक ऐसे रोलरकोस्टर की तरह बताया, जिसमें बहुत सारा सीखना, बढ़ना और नए अनुभव शामिल रहे। अपने काम के प्रति बदले नज़रिए पर ईशा कहती हैं, वक़्त के साथ चीज़ें बदल गई हैं और मेरा नज़रिया भी। पहले मैं स्क्रिप्ट के बारे में सोचती थी, लेकिन अब मेरा ध्यान सिर्फ़ किरदार और डायरेक्टर की सोच पर होता है। एक साधारण कहानी भी सही फ़िल्ममेकर के हाथों में मास्टरपीस बन सकती है। अगर मेरा रोल सिर्फ दो मिनट का हो, तब भी मैं उसे पूरी मेहनत से करती हूं, क्योंकि राइटर ने वो किरदार मेरे लिए लिखा है। गौरतलब है कि फिल्मों में अपने किरदारों के अलावा ईशा मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे को लेकर भी काफी जागरूक हैं। बिना किसी लाग–लपेट के वह कहती हैं, इसमें कोई शक नहीं है कि आज भी हमारे देश में मेंटल थेरेपी को गलत नज़र से देखा जाता है,

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले कप्तान सूर्यकुमार को लगा बड़ा झटका, टीम ने दिखाया बाहर का रास्ता

नई दिल्ली। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को शुक्रवार, 15 अक्टूबर से जम्मू–कश्मीर के खिलाफ पहले रणजी ट्रॉफी मैच के लिए 16 सदस्यीय मुंबई टीम से बाहर कर दिया गया। संजय पाटिल और पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर की अगुआई वाली सीनियर चयन समिति ने भारत के अंडर–19 कप्तान आयुष महात्रे को टीम में शामिल किया गया है। महात्रे ऑस्ट्रेलिया से आने के बाद मुंबई की बाकी टीम के साथ सीधे श्रीनगर के लिए उड़ान भरेंगे और मुंबई हवाई अड्डे पर टीम से जुड़ेंगे। टीम की कमान भारत के खराब फॉर्म से जूझ रहे टेस्ट ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर संभालेंगे। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, टेस्ट क्रिकेट में सूर्या का करियर समाप्त हो गया है। ळडक ने लिखा कि उनके टेस्ट या वनडे में भारत के लिए चुने जाने की कोई संभावना नहीं है। वह अभी 35 साल के हैं और भारत के लिए केवल टी20 प्रारूप में खेल रहे हैं।

साल 2010 में किया डेब्यू

गौरतलब हो कि दिसंबर 2010 में दिल्ली के खिलाफ पदार्पण करने के बाद से अपने लगभग 15 साल के प्रथम श्रेणी करियर में उन्होंने 86 मैच में 42.33 की औसत से 5,758 रन बनाए हैं, जिसमें 14 शतक, 30 अर्द्धशतक और उड़ीसा (अब ओडिशा) के खिलाफ 200 रन का सवोच्च स्कोर शामिल है। उन्होंने 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के लिए एक टेस्ट मैच भी खेला।

पिछले रणजी सीजन में सूर्या ने तीन मैचों में 21.80 की औसत से 109 रन बनाए, जिसमें हरियाणा के खिलाफ क्वॉर्टर फाइनल में 70 रन का सवोच्च स्कोर भी शामिल है। हालांकि, पिछले सीजन में सेमीफाइनल में चैंपियन विदर्भ के खिलाफ केवल 0 और 23 रन ही बना पाए। यह कई वर्षों में पहली बार होगा जब मुंबई अपने भारत के सफेद गेंद के बल्लेबाज सूर्यकुमार और श्रेयस अय्यर के बिना खेलेगी। श्रेयस पीठ की चोट की वजह से जगह नहीं बना पाए।

रणजी ट्रॉफी के लिए मुंबई की टीमः–

शार्दुल ठाकुर (कप्तान), आयुष म्हात्रे, आकाश आनंद (विकेटकीपर), अजिंक्य रहाणे, सिद्धेश लाड, सरफराज खान, शिवम दुबे, शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, तुषार देशपांडे, सिल्वेस्टर डिसूजा, हार्दिक तमोरे (विकेटकीपर), इरफान उमैर, मुशीर खान, अखिल हेरवाडकर, रॉयस्टन डायस।

60 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी मामले के बाद शिल्पा शेट्टी ने सोशल मीडिया पर की संयम की बात

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा से 60 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी मामले में पूछताछ जारी है। मंगलवार को एक्ट्रेस से आर्थिक अपराध शाखा ने चार घंटे तक पूछताछ की है। ये पूछताछ एक्ट्रेस के घर पर की गई, लेकिन अब लगता है कि इस मुश्किल समय में उन्होंने खुद पर संयम पाने का तरीका ढूंढ लिया है। उन्होंने फेमस मार्शल आर्टिस्ट ब्रूस ली का कोट शेयर किया है। शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की है जिसमें वे इमोशनल वीकनेस की बात कर रही हैं। कोट में लिखा है, अगर आप हर बात पर भावनात्मक प्रतिक्रिया देते हैं, तो आप लगातार कष्ट झेलते रहेंगे। सच्ची शक्ति चुपचाप बैठकर तर्क के साथ चीज़ों को देखना है, यही सच्ची शक्ति संयम है।

अगर शब्द आपको नियंत्रित करते हैं, तो इसका मतलब है कि बाकी सभी आपको नियंत्रित कर सकते हैंज् सांस लें और चीज़ों को गुज़रने दें।

कोट से साफ है कि एक्ट्रेस 60 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी मामले से काफी परेशान हैं, लेकिन धैर्य से मामले को संभालने की कोशिश कर रही हैं। बता दें कि इस मामले में शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के अलावा और तीन लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। इससे पहले राज कुंद्रा का भी बयान दर्ज किया गया।

यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन का जलवा

नई दिल्ली। दिल्ली टेस्ट का पहला दिन भारत और जायसवाल के नाम रहा, जिन्होंने 173 रनों की नाबाद पारी खेली है। दूसरे दिन उनकी नजर दोहरे शतक पर होगी। भारत ने दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट के नुकसान पर 318 रन बनाए। कप्तान शुभमन गिल 20 रन बनाकर जायसवाल के साथ नाबाद लौटे।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और के एल राहुल (38) के आउट होने के बाद साई सुदर्शन के साथ मिलकर जायसवाल ने भारत को एक मजबूत स्थिति में पहुंचाया। साई सुदर्शन भी शतक की ओर बढ़ रहे थे लेकिन वह 87 के निजी स्कोर पर जोमेल वारिकन का दूसरा शिकार बने जो कि पहले दिन विकेट हासिल करने वाले एकमात्र गेंदबाज रहे।

साई सुदर्शन के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने दिन के खेल के अंत तक जायसवाल का साथ दिया और वह भी 20 रन बनाकर नाबाद ही पवेलियन लौटे हैं। जायडन सील्स ने भी अच्छी गेंदबाजी की लेकिन

उन्हें कोई विकेट हासिल नहीं हुआ।

दो बाएं हाथ के बल्लेबाजों की सबसे बड़ी साझेदारियां (भारत)

300 गांगुली – युवराज (पांचवां विकेट) बनाम पाक बेंगलुरु 2007

222 पंत – जडेजा (छठा विकेट) बनाम इंग्लैंड बर्मिंघम 2022

204 पंत – जडेजा (सातवां विकेट) बनाम ऑस्ट्रेलिया सिडनी 2019

203* जडेजा – सुंदर (पांचवां विकेट) बनाम इंग्लैंड मैनचेस्टर 2025

193 जायसवाल – साई सुदर्शन (दूसरा विकेट) बनाम वेस्टइंडीज दिल्ली 2025

किसी भारतीय सलामी बल्लेबाज द्वारा पहले दिन सर्वाधिक रन

192 वसीम जाफर बनाम पाक, कोलकाता 2007

190 शिखर धवन बनाम श्रीलंका, गॉल 2017

179 यशस्वी जायसवाल बनाम इंग्लैंड, विशाखापट्टनम 2024

173 यशस्वी जायसवाल बनाम वेस्टइंडीज, दिल्ली 2025

संक्षिप्त समाचार

वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रियांशी व किरन रही प्रथम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय महाविद्यालय नैनीडांडा में सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान हुई वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रियांशी व किरन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

महाविद्यालय में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ प्राचार्या डा. इंदु तिवारी ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को अधिनियम की जानकारी दी। कहा कि आरटीआई अधिनियम ने सरकारी विभागों में प्रशासनिक दक्षता और जवाबदेही को बढ़ाने का कार्य किया है। कार्यक्रम के संयोजक डा. प्रदीप कुमार वर्मा व सतेंद्र कुमार ने सूचना का अधिकार अधिनियम की उपयोगिता के बारे में बताया। कहा कि लोकतंत्र में जनता का यह एक बड़ा हथियार है। वाद-विवाद प्रतियोगिता के तहत सूचना का अधिकार के पक्ष में प्रियांशी, शिवांगी व लता क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहे। जबकि, विपक्ष में किरन, रौनक रावत व रितिका ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाया। निबंध प्रतियोगिता में प्रियांशी, रितिका व मेघा क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहे। इस मौके पर डा. अर्चना, डा. हरीश चंद्र जोशी, डा. पवन कुमार, डा. दानिश मसूद, डा. पृथ्वी राज, डा. प्रवीण कुमार, प्रियंका मैठाणी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डा. साधना त्रिपाठी ने किया।

मानसिक रूप से स्वस्थ और तनावमुक्त रहने का दिया सुझाव

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : डा. बीजीआर परिसर में मानसिक स्वास्थ्य प्रकोष्ठ द्वारा मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वाणिज्य विभाग के प्रो. अनूप पांडे ने मानसिक रूप से स्वस्थ और तनावमुक्त रहने के सुझाव दिए। उन्होंने छात्रों को समय के अनुशासन और सकारात्मक सोच के माध्यम से दबाव को प्रबंधित करने के बारे में मार्गदर्शन भी किया। शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में परिसर निदेशक एवं मानसिक स्वास्थ्य प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रो. यूसी गैरोला ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए शारीरिक प्रयास के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने छात्रों को रोजमर्रा की चुनौतियों का सामना करने के लिए संतुलित मानसिकता बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। गृह विज्ञान विभाग की प्रो. रेखा नैथानी ने मानसिक स्वास्थ्य के मूलभूत स्तंभों पर विस्तार से प्रकाश डाला और भावनात्मक स्थिरता, लचीलेपन को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न व्यावहारिक रणनीतियों की व्याख्या की। उन्होंने मनोवैज्ञानिक संतुलन बनाए रखने में दिनचर्या, सजगता और सामाजिक सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। गृह विज्ञान विभाग की डा. सुरेखा शर्मा ने संगीत-आधारित तकनीकों से जानकारी दी। इस मौके पर प्रो. रेहाना जैदी, प्रो. अनीता रुडोला, प्रो. एससी गैरोला, प्रो. पीयूष सिन्हा, डा. सीबी कोटनाला, डा. सरिता आदि शामिल रहे।

ट्रायल में 109 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सिविल सर्विसेज प्रतियोगिता के तहत पौड़ी में ट्रायल का आयोजन किया गया। ट्रायल में पुलिस और सेना को छोड़ अन्य महकमों के करीब सौ से अधिक कार्मिकों ने हिस्सा लिया।

जिला खेल अधिकारी जयवीर सिंह रावत ने बताया कि टीटी, बैडमिंटन, वेट लिफ्ट, कैरम, योग आदि प्रतियोगिताएं इस दौरान ट्रायल में की गई है। इन प्रतियोगितओं में 109 ने खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया है। अब चयनित खिलाड़ियों की सूची बनाई जा रही है। इसके बाद ये खिलाड़ी प्रदेश स्तर पर देहरादून, हरिद्वार और नैनीताल में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए जाएंगे। प्रदेश के ट्रायल के बाद चयनित खिलाड़ी नेशनल गेम में प्रदेश की ओर से हिस्सा लेंगे। बता दें कि खेल विभाग में कोचों की कमी पौड़ी। खेल विभाग में बीते दो महीनों से 6 कोचों की कमी चल रही है। इनमें से क्रिकेट के दो बाकी बैडिमिंटन, क्रिकेट और टीटी के कोच भी शामिल है। इन कोचों के पद पौड़ी, कोटद्वार और श्रीनगर में खाली है। जिला खेल अधिकारी जयवीर सिंह रावत के मुताबिक इन पदों को भरने के लिए परमिशन मिली है जल्द ही इनकी तैनाती जिला स्तर पर बनी कमेटी करेगी।

रैली और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किया मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि के मनोविज्ञान विभाग में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आयोजित चार दिवसीय कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हुआ। इस मौके पर विश्वविद्यालय के बिड़ला परिसर एवं प्रशासनिक भवन परिसर में छात्र-छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए जागरूकता रैली निकाली गई। मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता रैली को मानविकी एवं समाज विज्ञान संकाय के डीन प्रो. हरि भजन सिंह चौहान, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी गुसाईं तथा मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्षा व नेशनल टास्क फोर्स की अध्यक्षा प्रो. मंजू खंडूरी पांडेय ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता रैली के साथ-साथ छात्र-छात्राओं ने बिड़ला परिसर में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया।

हाईवे पर ई-रिक्शा संचालन पर रोक, चालकों ने किया प्रदर्शन

ई-रिक्शा चालकों ने परिवहन विभाग के खिलाफ किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : परिवहन विभाग पर शोषण का आरोप लगाते हुए ई-रिक्शा चालकों ने प्रदर्शन किया। कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग के नाम पर उन्हें रूट नंबर दो व सात में ई-रिक्शा नहीं चलाने दिया जा रहा है। परिवहन विभाग के अधिकारी ई-रिक्शा चालकों के खिलाफ चालान की कार्रवाई कर रहे हैं। ऐसे में ई-रिक्शा चालकों के समक्ष आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। कहा कि कुछ लोगों के बहकावे में आकर परिवहन विभाग इस तरह की कार्रवाई कर रहा है।

कोटद्वार तहसील परिसर में परिवहन विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करते ई—रिक्शा चालक

शुक्रवार को ई-रिक्शा चालक तहसील परिसर में पहुंचे। जहां उन्होंने परिवहन विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया। चालकों ने आरोप लगाया कि विभागीय अधिकारी कहीं भी उनकी ई-रिक्शा को रोक चालान कर रहे हैं। साथ ही ई-रिक्शा को भी सीज किया जा रहा है। बताया कि इस तरह की कार्य प्रणाली से ई-रिक्शा चालकों के समक्ष समस्या खड़ी हो गई है। कई ई-रिक्शा चालकों ने किस्तों में ई-रिक्शे खरीदे हुए हैं। ऐसे में उनके समक्ष आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। वर्तमान में जबकि त्योहारी सीजन चल रहा है, इस तरह की कार्यवाही ई-रिक्शा चालकों का उत्पीड़न है। तहसील में प्रदर्शन के बाद ई-रिक्शा चालक सहायक संभागीय परिवहन कार्यालय पहुंचे और सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ज्योति शंकर मिश्रा से वार्ता की। एआरटीओ ने ई-रिक्शा चालकों को न्यायालय के आदेशों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही मंगलवार को इस मामले में वार्ता कर मध्य का मार्ग निकालने का आश्वासन दिया। उन्होंने मंगलवार तक ई-रिक्शा चालकों को वाहन संचालन की अनुमति प्रदान की। इस मौके पर समरपाल सिंह, नसुरुदीन, जसराम, दीपक कुमार, रवि शंकर, महेंद्र, नईम, बसुदेव, अनिल, श्याम सिंह आदि मौजूद रहे। वहीं, ई-रिक्शा चालकों ने कौड़िया निवासी एक युवक के खिलाफ कोतवाली में तहरीर दी। कहा कि उक्त व्यक्ति ई-रिक्शा चालकों से प्रतिदिन बीस रुपये लेता है। युवक कहता है कि वह इन पैसों को आरटीओ विभाग तक पहुंचाता है। यही नहीं न्यूएंट्री के नाम पर ई-रिक्शा चालकों से 25 सौ रुपये वसूले जाते हैं।

तीलू रौतेली सदन ने जीता क्रिकेट का फाइनल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर स्थित यूनिकस अकादमी में क्रिकेट टूर्नामेंट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला तीलू रौतेली सदन के नाम रहा। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया गया।

क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ अकादमी के निदेशक अभय रावत ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को अकादमी में होने वाली सभी प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने की सीख दी। प्रतियोगिता में वीर बाला तीलू रौतेली सदन, जसवंत सिंह रावत सदन, गौरा देवी सदन व वीर चंद्र सिंह गढ़वाली सदन ने प्रतिभाग किया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला वीर बाला तीलू रौतेली सदन व गौरा देवी सदन के बीच खेला गया। प्रधानाचार्य मान सिंह सुब्बा ने प्रतियोगिता की विजेता व उपविजेता टीमों को सम्मानित किया।

क्रिकेट में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ी

युवक बना रहे हैं खेती को आजीविका का जरिया

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : उत्तराखंड के पर्वतीय ग्रामीण अंचलों में अब खेती रोजगार का विकल्प बनती जा रही है। युवा खेती को स्वरोगजार के रूप में अपनाकर अपनी आर्थिकी को मजबूत कर रहे है। कोट ब्लॉक के भटकोट गांव के युवा पवन पांडेय ने कीवी मिशन योजना का लाभ उठाकर खेती को आजीविका का जरिया बनाया है। पवन ने अपनी सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इच्छा शक्ति और सही मार्गदर्शन हो, तो खेती भी एक सम्मानजनक और सशक्त रोजगार बन सकती है।

जिले के विकासखंड कोट के भटकोट गांव के युवा पवन पांडेय की सफलता इसी परिवर्तन का उदाहरण है, जिन्होंने कीवी मिशन योजना का लाभ उठाकर आधुनिक बागवानी से एक नई राह बनायी है। पवन पांडेय ने वर्ष 2019 में शिक्षा पूर्ण करने के बाद नौकरी के बजाय खेती को आजीविका बनाने का संकल्प लिया। उन्होंने उत्तराखंड सरकार की कीवी मिशन योजना के अंतर्गत 12 लाख के निवेश से वर्ष 2020 में एक हेक्टेयर भूमि में कीवी की खेती शुरू की। इसमें उन्होंने लगभग 300 कीवी पौधों का रोपण किया। उद्यान विभाग से उन्हें ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली जैसी तकनीकी सहायता प्राप्त हुई। लगातार मेहनत और वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने का परिणाम वर्ष 2024 में सामने आया, जब पहली बार उनकी कीवी की बागवानी से फल प्राप्त हुए। मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत ने बताया कि राज्य के युवा पारंपरिक खेती के साथ-साथ बागवानी और आधुनिक कृषि की ओर भी आगे बढ़ें, इसके लिए सभी विभाग प्रयास कर रहे हैं।

मेडिकल स्टोर में व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने सतपुली बाजार में स्थित मेडिकल स्टोर का निरीक्षण किया। इस दौरान मेडिकल स्टोर संचालकों को जल्द ही मेडिकल स्टोर में सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए गए। कहा कि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सतपुली बाजार क्षेत्र में स्थित मेडिकल स्टोर का भी निरीक्षण किया गया। अधिकांश मेडिकल स्टोर में व्यवस्थाएं बेहतर थी। लेकिन, कुछ मेडिकल स्टोर में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हुए थे।

जिन्हें जल्द मेडिकल स्टोर में लगाने के निर्देश दिए गए। इस मौके पर सिविल जज जूनियर डिवीजन नेहा, जिला समन्वयक तंबाकू नियंत्रण श्वेता गुसाईं, अपर उप निरीक्षक सोहन लाल टम्टा, पीएलवी मनीष खुगशाल, प्रधानाचार्य जसवंत सिंह, कुसुम नेगी, आशीष गुसाईं आदि मौजूद रहे।

गुलदार से निजात को तहसील में दिया धरना

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : चौबट्टाखाल क्षेत्र में गुलदार की धमक थमने का नाम नहीं ले रही। दर्जनों गांव में दिन दोपहर गुलदार घूमता हुआ दिखाई दे रहा है। ऐसे में ग्रामीणों ने तहसील परिसर में पहुंचकर धरना देते हुए गुलदार से निजात दिलवाने की मांग उठाई। कहा कि गुलदार की धमक के कारण ग्रामीण घरों में कैद होने को मजबूर हो रहे हैं।

शुक्रवार को चौबट्टाखाल के ग्राम श्रीकोट, हलूणी, ढंगसौली, झीला मल्ला, चमनाऊ पाली, गडोली सहित कई गांव के ग्रामीणा तहसील में पहुंचे। इस दौरान ग्रामीणों ने तहसीलदार के माध्यम से मुख्यमंत्री, वन मंत्री और काबीना मंत्री व स्थानीय विधायक सतपाल महाराज को ज्ञापन भेजे गए। ज्ञापन में कहा कि विगत एक माह से विधानसभा चौबट्टाखाल के अंतर्गत ग्राम श्रीकोट में चार वर्षीय बालिका को निवाला बनाया गया था। इसके अलावा ग्राम हलूणी, ढंगसोली, चमनाऊ पाली, गडोली आदि गांवों में गुलदार जानलेवा हमला कर चुका है और गुलदार की सक्रियता जारी है। नतीजा, ग्रामीण क्षेत्रों में दहशत का माहौल बना हुआ है और स्कूल जाने वाले छात्र-छात्रा स्कूल जाने में भी असहज महसूस कर रहे हैं। इसके साथ खेत में करने वाली महिलाओं के साथ ही मवेशियों को चुगाने के लिए जंगल ले जाने वाले ग्रामीण भी दहशत में हैं। कहा कि जल्द ही चौबट्टाखाल विधानसभा को गुलदार मुक्त किया जाए नहीं तो आंदोलन उग्र किया जाएगा। इस मौके पर कांग्रेस के ब्लाक अध्यक्ष महेंद्र सिंह रावत, ज्येष्ठ उपप्रमुख प्रदीप रावत, क्षेत्र पंचायत सदस्य राकेश भंडारी, ग्राम प्रधान सुरेश कुमार, विजेंद्र दर्शन, जगत सिंह रावत, सुमित सिंह, लक्ष्मण सिंह, संतोष सिंह, धर्मपाल सिंह, यशपाल सिंह, सुमन सिंह, अंकित सिंह सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

गुलदार के आतंक से निजात दिलाने की मांग को लेकर चौबट्टाखाल तहसील में उपवास पर बैठे क्षेत्रीय ग्रामीण

लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग के लिए भूख हड़ताल जारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण की मांग को लेकर चल रही प्रवीन थापा व लोकगायक संजय सिंह रावत की भूख हड़ताल तीसरे दिन भी जारी रही। लोगों ने सरकार से जल्द मार्ग निर्माण करवाने की मांग उठाई। पिछले तीन दिन से प्रवीन थापा व संजय सिंह रावत मार्ग निर्माण के लिए चिल्लरखाल में धरने पर डटे हुए हैं। लोगों ने कहा कि उत्तराखंड राज्य गठन को 25 वर्ष से अधिक का समय हो चुका है। लेकिन, आज तक मार्ग निर्माण पर ध्यान नहीं दिया गया। जबकि, हर चुनाव में यह मार्ग नेताओं की घोषणा में शामिल रहता है। कहा कि मार्ग के नाम पर जनप्रतिनिधियों ने केवल जनता को गुमराह करने का कार्य किया है। लेकिन, अब जनता बहकावे में आने वाली नहीं है। कहा कि जब तक मार्ग निर्माण को लेकर धरातल पर कार्रवाई नहीं की जाती आंदोलन जारी रहेगा। कहा कि मार्ग निर्माण होने से शहरवासियों को देहरादून राजधानी जाने के लिए उत्तर प्रदेश की सड़क से होकर नहीं जाना पड़ेगा। साथ ही इससे बंदी पड़ी जशोधरपुर की फैक्ट्रियों को भी रफ्तार मिलेगी। कहीं न कहीं मार्ग निर्माण से युवाओं के लिए रोजगार के साधन उपलब्ध होंगे। इस मौके पर देवेंद्र रावत, प्रकाश रावत, रविंद्र सिंह, धीरज सिंह नेगी, महेंद्र सिंह मेहरा, दीपक नैनवाल, करण सिंह अधिकारी, शान्ति देवी, रामेश्वरी देवी, भारत सिंह, मदन सिंह नेगी, भारत सिंह नेगी, अंजू देवी, अनिता देवी, शोभा भंडारी, रंजना रावत, बुद्धि प्रकाश, विशम्भर दत्त, गजेन्द्र सिंह बिष्ट, राकेश बर्थवाल, भरत सिंह भंडारी, विजयपाल मेहरा, शांता देवी, राधा देवी, ध्यान सिंह बिष्ट, मोहन सिंह नेगी, पवन सिंह आदि मौजूद रहे।

भूख हड़ताल पर बैठे प्रवीन थापा व संजय सिंह रावत के स्वास्थ्य की जांच करते स्वास्थ्य कर्मी

बदरीनाथ के लिए रवाना हुआ तीर्थ यात्रियों का दल

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : दीन दयाल मातृ-पितृ तीर्थाटन योजना के तहत जिले के विभिन्न विकासखंडों से तीर्थ यात्रियों के जत्थों को पवित्र बदरीनाथ धाम की यात्रा के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा तीर्थ यात्रियों के आवागमन, ठहरने और भोजन आदि की पूरी व्यवस्था निःशुल्क की जाती है, जिससे उन्हें धार्मिक एवं आध्यात्मिक अनुभव का लाभ प्राप्त हो सके।

जिला पर्यटन विकास अधिकारी खुशाल सिंह नेगी ने बताया कि इस योजना के तहत जनपद के अलग-अलग विकासखंडों से 8 व 9 अक्टूबर को 70 तीर्थयात्रियों, 10 अक्टूबर को 34 तीर्थयात्रियों को बदरीनाथ धाम दर्शन हेतु वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। बताया कि इस साल अभी 104 तीर्थयात्रियों को बदरीनाथ धाम दर्शन के लिए भेजा जा चुका है। बताया कि दीन दयाल मातृ-पितृ तीर्थाटन योजना राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों और बुजुर्गों को निशुल्क तीर्थ यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराना है।

सरकार संग्रहालय निर्माण के लिए जल्द बजट आवंटित करें

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पद्मश्री डॉ. यशवंत कठौच ने पौड़ी नगर क्षेत्र में पूर्व स्वीकृत संग्रहालय का अभी तक निर्माण कार्य नहीं होने पर चिंता जताई है। उन्होंने डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर पौड़ी में उत्तराखंड इतिहास-संस्कृति संग्रहालय निर्माण के लिए जल्द ही बजट आवंटित करने की मांग है। उन्होंने कहा कि पूर्व में मुख्यमंत्रियों द्वारा संग्रहालय स्थापना की घोषणाएं की थी, लेकिन आज तक संग्रहालय निर्माण को लेकर कोई कदम नहीं उठाये गये है। मंडलीय संग्रहालय निर्माण समिति के अध्यक्ष एवं संयोजक डॉ. कठौच ने बताया कि नगर की केंद्रीय स्थिति को देखते हुए प्रदेश के पूर्व पांच-पांच मुख्यमंत्रियों ने यहां संग्रहालय स्थापना घोषणाएं की थी, लेकिन लंबा समय बीत जाने के बाद भी संग्रहालय के नाम पर केवल फाइलें ही घुमाई जा रही हैं। बताया कि वर्ष 1980 व 1998 में तत्कालीन यूपी सरकार ने पौड़ी में मंडलीय संग्रहालय निर्माण की स्वीकृति दी थी। तब जगह उपलब्ध नहीं होने के चलते इसका निर्माण नहीं हो पाया। जबकि 2015 में जिला कारागार की 690 वर्ग मीटर से अधिक भूमि संग्रहालय के लिए संस्कृति विभाग को हस्तांतरित हुई। कार्यदायी संस्था उत्तरांखड पेयजल निर्माण निगम द्वारा संग्रहालय भवन निर्माण के लिए मृदा परीक्षण, ड्राइंग एवं डिजाइनिंग भी की गई। लेकिन शासन द्वारा अभी तक बजट आवंटन नहीं हो पाया। मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर संग्रहालय निर्माण के लिए जल्द ही बजट आवंटित करने की मांग उठाई है।

भक्ति व श्रद्धा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का हुआ समापन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : कल्जीखाल ब्लॉक के ग्राम तकलना में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा यज्ञ श्रद्धा और भक्ति के साथ सम्पन्न हो गया है। जिसके समापन पर हवन, पूर्णाहुति और भंडारा जैसे अनुष्ठान हुए। इस आयोजन में भक्तों ने पूरी आस्था और उत्साह के साथ कथा का श्रवण किया, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया।

विकासखंड कल्जीखाल क्षेत्र के अंतर्गत पट्टी मनियारस्यूं के ग्राम तकलना में स्वर्गीय अमरदेव कुकरेती एवं अन्य सभी पित्रों की मोक्ष प्राप्ति के लिए उनकी स्मृति में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान श्रद्धा भक्ति पूर्वक संपन्न हो गया है। शुक्रवार को कथा के अंतिम दिन की श्रीमद् भागवत की कथा में श्रीकृष्ण भगवान का गुरुकुल प्रवेश, उद्धव को ब्रजमंडल गोपियों को संदेश देने को भेजना भगवान के विवाह, युधिष्ठिर का राजसूय यज्ञ शिशुपाल, दंतवक्र का तीन जन्मों का उद्धार, कलयुग का वर्णन, परीक्षित की मुक्ति तथा जन्मजेय यज्ञ के साथ ही कथा का विश्राम हो गया है। कथा वाचक सुदामा प्रसाद कपटियाल ने सभी कथा श्रावण करने वाले श्रोताओं एवं यजमान परिवार को आशीर्वाद देते हुए आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। इस मौके पर पंडित राकेश डोबरियाल, घनानंद बगासी, मनोज नैथानी, सुधार थपलियाल, मुकेश थपलियाल, योगी कुकरेती, अंकित पंत सहित विमल कुकरेती, पंकज कुकरेती आदि मौजूद थे।

सहकारिता मेला ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में सहायक

श्रीनगर गढ़वाल : आवास विकास मैदान में आयोजित जनपद स्तरीय सहकारिता मेले के तीसरे दिन थारू सांस्कृतिक उत्थान समिति खटीमा की प्रस्तुतियों ने समा बांधा। इस दौरान छोटी-छोटी गइयां छोटे-छोटे ग्वाल छोटो सो मेरो मदन गोपाल.. जैसे भक्ति गानों के साथ-साथ गढ़वाली और कुमांउनी गानों पर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। बतौर मुख्य अतिथि भाजपा पौड़ी जिले के महामंत्री गणेश भट्ट ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने की दिशा में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत आयोजित यह सहकारिता मेला एक महत्वपूर्ण कड़ी है। कहा कि पौड़ी जनपद के श्रीनगर में लगने वाला यह सहकारिता मेला न केवल स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देता है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में भी सहायक सिद्ध होगा। भट्ट ने कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक सहयोग का माध्यम नहीं, बल्कि यह आत्मनिर्भरता और सामूहिक प्रगति की भावना का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के मार्गदर्शन में उत्तराखंड में सहकारिता के क्षेत्र में अनेक नवाचार प्रयोग किए जा रहे हैं। इन प्रयासों के परिणाम स्वरूप प्रदेश के हजारों लोगों को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं, वहीं स्थानीय उत्पादकों को उनके उत्पादों का बेहतर मूल्य भी मिल रहा है। इस मौके पर पार्षद देवेंद्र मणि मिश्रा, गुड्डी गैरोला, सुनीता गैरोला, अंजनी देवी भंडारी, शुभम प्रभाकर, पार्षद दिनेश पटवाल, पंकज सती, संदीप रावत, अक्षितेश नैथानी आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

डीएम ने किया पर्यटन विभाग के कार्यालय का निरीक्षण

श्री नंदा देवी राजजात यात्रा की तैयारियों की ली जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने शुक्रवार को जिला पर्यटन अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आगामी वर्ष आयोजित होने वाली नंदा देवी राजजात यात्रा को लेकर किए जा रहे कार्यों की जानकारी लेते हुए पर्यटन अधिकारी का आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने विभागीय भवन के रख-रखाव व कार्यों को लेकर जिला पर्यटन अधिकारी व विभागीय कर्मचारियों की सराहना भी की। जिलाधिकारी ने जिला पर्यटन विभाग कार्यालय के निरीक्षण के दौरान भवन पर बनाई जा रही उत्तराखण्ड की संस्कृति से संबंधित पेंटिंग का अवलोक किया। साथ पर्यटन विभाग की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी लेते हुए पात्र लाभार्थियों को अधिक से अधिक संख्या में स्वरोजगार उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने नंदा देवी राजजात यात्रा की तैयारियों को लेकर पर्यटन अधिकारी को यात्रा मार्गों की वर्तमान स्थिति को देखते हुए विभागों से समंवय स्थापित कर प्रस्ताव तैयार करवाने और यात्रा के सुचारु संचालन के पार्किंग, पेयजल, विद्युत, शौचालय और आवास व्यवस्था को लेकर स्थानों का चयन और व्यवस्थाओं को लेकर योजनाबद्ध रुप से कार्य करने के निर्देश दिए। ताकि यात्रा में आने वाली यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। इस मौके पर जिला पर्यटन अधिकारी अरविंद गौड़ के साथ ही विभागीय कर्मचारी मौजूद थे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राईविंग लाइसेन्स संख्या UK-1520160041977 में मेरा नाम अंकित जकेब (ANKT JACOB) अंकित है, जबकि मेरे आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम अंकित जकेब (ANKIT JACOB) दर्ज है। जो कि सही एवं सत्य है। अतः मेरे ड्राईविंग लाइसेन्स संख्या UK-1520160041977 में मेरा सही व सत्य नाम अंकित जकेब (ANKIT JACOB) लिखा व पढ़ा जाय।

अंकित जकेब पुत्र श्री अनिल जकेब निवासी रोबर्ट कॉलोनी, चर्च रोड जौनपुर, कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल।

(1282/21)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

1	कार्य का नाम एवं लोकेशन : 22/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा./2025 मुरादाबाद मंडल में विद्युत सामग्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए विद्युत कार्य।
2	कार्य की अनुमानित लागत (रू.) : 1,84,64,972.30 (जीएसटी सहित)
3	कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है : विद्युत शाखा, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मुरादाबाद।
4	बिड सिक्यूरिटी राशि (रू.) : 2,42,300.00
5	कार्य के पूर्ण करने की समय अवधि : 6 (छः) महीने
6	निविदा प्रपत्र प्राप्त करने तथा खुलने की दिनांक व समय : निविदायें दिनांक 31.10.2025 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेंगी।
7	वेबसाइट एवं कार्यालय का पता : वेबसाइट www.ireps.gov.in मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय / उत्तर रेलवे, मुरादाबाद।

निविदा सूचना सं.: 18/2025 दिनांक: 09.10.2025 3130/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल अभियन्ता मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा बयाना राशि का भुगतान निविदा दाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	211-DRM-MB-25-26 Date 10.10.2025	212-DRM-MB-25-26 Date 10.10.2025	213-DRM-MB-25-26 Date 10.10.2025
कार्य का नाम	Heavy repair to leaky Roof in staff quarters and service building along with repair of drainage in the section of SSE/W/HRI under ADEN/HRI-I.	Heavy repair to leaky Roof in staff quarters and service building, provision of PVC tank along with repair of drainage in the section of ADEN/HRI-II.	Repair and rectification of deficiencies in staff quarters, service buildings, platforms and other structures in RAC - SPC section during doubling work.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	03.11.2025 16:00	03.11.2025 16:00	03.11.2025 16:00
अनुमानित लागत (₹)	98,88,808.34	79,75,810.60	94,98,571.43
धरोहर राशि (₹)	1,99,300.00	1,59,500.00	1,89,800.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	20.10.2025	20.10.2025	20.10.2025
आफर की वैधता	60 दिन	60 दिन	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह	06 माह	06 माह

नं. 74-W/2/3/WA/ Publication दिनांक: 10.10.2025 3136/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त समाचार

सेना अस्पताल में पूर्व सैनिकों को मिलेगी गोल्फ कार्ट की सुविधा

देहरादून। सरकार सेना अस्पताल को गोल्फ कार्ट देने जा रहा है। उत्तराखंड सब एरिया की मांग पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी के निर्देश पर उपनल के माध्यम से गोल्फ कार्ट वित्त पोषित की गयी है। गोल्फ कार्ट का औपचारिक हस्तांतरण आज जसंवत मैदान गढ़ी कैंट में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) एवं चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान की उपस्थिति में किया जाएगा। उत्तराखंड सब एरिया के डिप्टी जीओसी ब्रिगेडियर आरएस थापा ने सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी से गोल्फ कार्ट की आवश्यकता जताई थी। उन्होंने सेना अस्पताल में पूर्व सैनिकों, ईसीएचएस धारकों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए गोल्फ कार्ट को उपयोगी बताया था। मंत्री जोशी की मंजूरी के बाद गोल्फ कार्ट को खरीद लिया गया है। मंत्री जोशी ने कहा कि सरकार पूर्व सैनिकों और उपनल कर्मचारियों के हितों में लगातार काम कर रही है। सैनिक कल्याण मंत्री ने बताया कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य है, जहां पूर्व सैनिकों को ब्लॉक प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त कर उन्हें मानदेय दिया जा रहा है। जो आठ हजार से बढ़ाकर 10 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है।

भू –कानून में संशोधन की मांग: लूशुन टोडरिया

देहरादून। मूल निवास भू कानून समन्वय संघर्ष समिति ने शुक्रवार को जिलाधिकारी, देहरादून के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर भू कानून में संशोधनों की मांग की। मांगे पूरी न होने पर पुनः मूल निवास भू कानून पर आंदोलन की चेतावनी दी। समिति ने बताया कि वर्तमान भू–कानून स्थानीय परिस्थितियों, भौगोलिक संरचना और जनसंख्या दबाव के अनुरूप नहीं है। इसके कारण स्थानीय लोगों की भूमि की सुरक्षा पूरी तरह सुनिश्चित नहीं हो पा रही है और बाहरी हस्तक्षेप रोकने में कानून प्रभावी नहीं है। समिति के संयोजक लूशुन टोडरिया ने कहा कि उत्तराखण्ड में बने इस नए भू कानून के बावजूद लगातर राज्य की जमीनों को बड़े पैमाने में माफियाओं द्वारा लूटा जा रहा है। नगर पालिका व नगर पंचायते जब तक भू कानून में सम्मिलित नही होंगे, तब तक यह भू कानून प्रभावी नही बन पाएगा ।

कवयित्री उषा झा 'रेणु' को काव्य–महाकाव्य सम्मान

देहरादून। कादंबरी संसार घानी, जबलपुर की साहित्यिक–सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था ने वर्ष 2025 के लिए उत्कृष्ट काव्य लेखन के लिए डॉ उषा झा के काव्य संग्रह मन का पलाश वन का चयन स्व हेमलता द्विवेदी सम्मान के लिए किया है। कादम्बरी साहित्य समारोह का आयोजन 22 नवंबर को मध्य प्रदेश के जबलपुर में किया जाएगा। जहां उन्हें यह सम्मान दिया जाएगा।

शिक्षा विभाग के अफसरों की लापरवाही, बदलनी पड़ी परीक्षा तिथि

हल्द्वानी। माध्यमिक विद्यालयों में अर्द्धवार्षिक गृह परीक्षाओं के आयोजन को लेकर नैनीताल और अल्मोड़ा जिले के मुख्य शिक्षा अधिकारियों (सीईओ) की लापरवाही सामने आई है। इस वजह से परीक्षा की तिथियों में बदलाव करना पड़ गया। आरोप है कि अफसरों ने निदेशालय की ओर से उपलब्ध कराई गई प्रश्नपत्रों की सॉफ्ट कॉपी समय पर प्राप्त नहीं की। जिसे माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. मुकुल कुमार सती ने गंभीर लापरवाही मानते हुए दोनों सीईओ से सात दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने कहा कि कार्य में लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अफसरों को अपने कार्य के प्रति सजग रहना बेहद आवश्यक है। जानकारी के मुताबिक, अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं के लिए एससीईआरटी की ओर से प्रश्न पत्र की साफ्ट कॉपी हर साल तैयार की जाती है। इस बार में 17 अक्तूबर से शुरू होने वाली परीक्षाओं के लिए साफ्ट कॉपी तैयार की गई। अल्मोड़ा और नैनीताल जिले के सीईओ की ओर से 8 अक्तूबर तक यह काफी देहरादून से प्राप्त नहीं की गई।

अन्य जिलों के अफसरों ने यह पहले प्राप्त कर ली। बताया जाता है इन साफ्ट कॉपियों को प्रिंट कराकर जिला मुख्यालय से स्कूलों को भेजा जाता है। मामले में लापरवाही पर निदेशक माध्यमिक शिक्षा ने 17 एवं 18 अक्तूबर को होने वाली परीक्षा स्थगित कर 10 एवं 11 नवंबर को आयोजित करने का आदेश जारी किया है। जबकि शेष परीक्षाएं मूल समय–सारणी के अनुसार होंगी। इधर नैनीताल जिले के मुख्य शिक्षाधिकारी गोविंद जायसवाल ने बताया कि उन्होंने मामले में निदेशक माध्यमिक शिक्षा को स्पष्टीकरण दे दिया गया है।

सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ संकल्पित होकर कर रही कार्य : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया 24वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को दून विश्वविद्यालय, देहरादून में आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ सोशल साइंस इंस्टीट्यूशंस के 24वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार वर्ष 2030 तक सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ संकल्पित होकर कार्य कर रही है। राज्य में आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता बनाए रखते हुए सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के साथ-साथ एक सुरक्षित व न्यायपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। राज्य सरकार ने इकोनॉमी और इकोलॉजी के संतुलन को सुनिश्चित करने के लिए त्रि-स्तंभीय एवं नौ-सूत्रीय नीति की शुरुआत की है, जो सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इंडियन एसोसिएशन ऑफ सोशल साइंस इंस्टीट्यूशंस के वार्षिक अधिवेशन के विभिन्न सत्रों में सामाजिक कल्याण, अर्थशास्त्र, रोजगार, उद्योग, कृषि, तकनीकी, पर्यावरण और नगरीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर देश-विदेश के प्रख्यात विद्वानों द्वारा सार्थक विचार-विमर्श किया जाएगा। इस चिंतन-मंथन से सामाजिक नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन एवं राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर जन-जन के कल्याण के लिए ठोस एवं व्यवहारिक उपायों का संकलन भी हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सौर मिशन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, नमामि गंगे अभियान और प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान जैसी योजनाएं पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभा रही हैं। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन एवं सहयोग से राज्य सरकार भी प्रदेश में सामाजिक न्याय की अवधारणा को मजबूत करने के साथ सतत विकास की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वृद्धावस्था पेंशन बढ़ाने के साथ ही पति-पत्नी दोनों को पेंशन देने तथा सभी पेंशन योजनाओं में त्रैमासिक के स्थान पर मासिक भुगतान की शुरुआत की गई है। राज्य सरकार ने प्रत्येक निर्णय में प्रदेश में सामाजिक न्याय स्थापित करने का कार्य किया है। इस अवसर पर नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद, कुलपति दून विश्वविद्यालय प्रो. सुरेखा डंगवाल, आईएएसएसआई के अध्यक्ष एवं नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सचिन चतुर्वेदी, प्रो. आर.पी. ममगांई, प्रो. आई.सी. अवस्थी, प्रो. अलख शर्मा एवं विषय विशेषज्ञ उपस्थित थे।

त्योहारी सीजन में विकासनगर बाजार में यातायात व्यवस्था ध्वस्त

विकासनगर। त्योहार का सीजन शुरू होते ही विकासनगर बाजार में रोजाना लगने वाले जाम ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मुख्य बाजार में हर दिन वाहनों की लंबी कतारें लगी रहती हैं। सड़क के दोनों ओर बेतरतीब खड़े वाहन, ठेलियां और दुकानों के बाहर फैला सामान यातायात को अवरुद्ध करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रोजाना जाम के कारण उन्हें बाजार से गुजरने में काफी इंतजार करना पड़ता है। वहीं, स्कूली वाहनों और एंबुलेंस को भी आवाजाही में दिक्कतें पेश आ रही हैं। इससे मरीजों और बच्चों को समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। व्यापारियों का कहना है कि बाजार में बढ़ती भीड़ और जाम के चलते ग्राहक भी परेशान हो रहे हैं, जिससे कारोबार पर असर पड़ रहा है। लोगों ने आरोप लगाया कि ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए पुलिस की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। नगरवासियों ने प्रशासन और पुलिस विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द बाजार क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए। त्योहारों का सीजन शुरू होने वाला है, ऐसे में अगर अभी से प्रभावी ट्रैफिक प्लान नहीं बनाया गया तो हालात और बिगड़ सकते हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बाजार में पुलिस कर्मियों की नियमित तैनाती, एकतरफा यातायात व्यवस्था और अवैध पार्किंग पर सख्ती से ही समस्या का समाधान संभव है। लोगों ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन जल्द ही प्रभावी कदम उठाकर जाम की समस्या से राहत दिलाएगा। उधर, इस संबंध में कोतवाल विनोद गुसांई ने कहा कि जाम का प्रमुख कारण फुटपाथों पर अवैध कब्जा और पार्किंग की समस्या है। जल्द ही नगर पालिका के साथ बाजार में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बताया कि बैठक कर पहले ही व्यापारियों को अपने दुकानों के आगे ठेली न लगाने के लिए कहा गया है।

पटाखे की दुकान में खामियों की भरमार, कारोबारी को नोटिस

हल्द्वानी। दीवाली का त्योहार नजदीक आते ही दमकल विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। सुरक्षा के लिहाज से अधिकारियों ने हल्द्वानी में पटाखा दुकानों और गोदाम का निरीक्षण किया। रामपुर रोड स्थित एक दुकान में भारी अनियमितताएं मिलने पर कारोबारी को नोटिस दिया गया।

सुरक्षा के मानकों को तत्काल पूरा करने के निर्देश दिए हैं। सीएफओ गौरव किरार और एफएसओ मिंदर पाल सिंह ने टीम के साथ हल्द्वानी शहर से लगे इलाकों में 12 पटाखा दुकानों और रामपुर रोड के एकमात्र गोदाम का निरीक्षण किया। 11 दुकानों के अलावा गोदाम में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त पाई गईं, जबकि रामपुर रोड स्थित एक दुकान में भारी खामियां मिली। दुकान में तारें खुली छोड़ी गई थीं, पानी का कंटेनर भी पूरी तरह खाली था।

रेत का भी कारोबारी ने इंतजाम नहीं किया था। अग्निशामक यंत्र भी दुकान में नहीं लगे थे। सीएफओ किरार ने कहा कि गोदाम समेत पटाखों के सभी 13 कारोबारियों को सुरक्षा के पूरे इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। पटाखा दुकानों–गोदाम के ये हैं मानक सीएफओ गौरव किरार ने बताया कि पटाखा दुकानों–गोदाम के मानकों के अनुसार 200 लीटर पानी का कंटेनर 24 घंटे मौके पर होना चाहिए। दो बैग रेता दुकान में रहना चाहिए। इसके अलावा चार से छह अग्निशामक यंत्र लगे रहने चाहिए। ताकि आपात स्थिति में तेजी से रेस्क्यू किया जा सके। इसके अलावा नो स्मोकिंग बोर्ड हर दुकान या गोदाम में चस्पा होने के मानक हैं। दुकान में 500 किग्रा से अधिक न हों पटाखे दमकल विभाग के मुताबिक दुकानों के लिए पटाखों की मात्रा 500 किलोग्राम तक तय है। इससे अधिक पटाखा सामग्री दुकान में नहीं रख सकते। गोदाम में पटाखों की क्षमता पांच हजार किलो तक है। गोदाम कारोबारी को भी मानकों के अनुसार पटाखों को रखने की सलाह दी जाती है। हल्द्वानी में रामलीला मैदान और एमबी मैदान में पटाखा बाजार लगेगा।

माता सती के देह त्याग के प्रसंग को सुन श्रोता हुए भावविभोर

श्रीनगर गढ़वाल : प्रसिद्ध सिद्धपीठ कटकेश्वर महादेव (घसिया महादेव) मंदिर में शिव महापुराण कथा के चौथे दिन माता सती के देह त्याग के प्रसंग को सुन श्रोता भावविभोर हुए। कथा व्यास मधुसूदन घिल्डियाल ने कहा कि सती का त्याग शिव की मर्यादा का प्रतीक है। कहा कि माता सती के देह त्यागते समय माता सती ने भगवान शिव के चरणों में मन ही मन स्तुति की कि में पुनः आपकी पत्नी बनूं और माता सती ने पुनः हिमवान और मैना के यहां जन्म लिया, माता सती ने पार्वती नाम से अवतरण लिया और श्री ब्रह्मा, श्री नारद हिमवान के यहां पहुंचे तथा उनको समझाया, माता पार्वती को भगवान शिव की तपस्या कर भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर रमेश गिरि, सरोजिनी गिरि, महंत महेश गिरि, विनीत गिरि, दीप चंद्र गिरि, संजय गिरि, रवि बहुगुणा, मां राजराजेश्वरी देवलगढ़ के मुख्य पुजारी कुंजिका प्रसाद उनियाल आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

प्रशासन की संयुक्त टीम ने चमोली बाजार का किया निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : चमोली में त्योहारी सीजन के चलते खाद्य संरक्षा प्रशासन की ओर से उपभोक्ताओं की सुरक्षा को देते हुए लगातार दुकानों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को खाद्य संरक्षा प्रशासन की टीम ने विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव पुनीत कुमार के नेतृत्व में चमोली बाजार का निरीक्षण किया।

सहायक आयुक्त खाद्य संरक्षा अमिताभ जोशी ने बताया कि चमोली बाजार में निरीक्षण के दौरान एक व्यापारी के पास लाइसेंस न पाए जाने पर नोटिस जारी किया गया है। साथ व्यापारी को शीघ्र लाइसेंस बनवाने के निर्देश दिए गए है। निरीक्षण के दौरान टीम की ओर से बाजार में मिठाई की दुकानों के साथ अन्य खाद्य सामग्री का विपणन करने वाली दुकानों का सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान टीम की ओर से व्यापारियों को गुणवत्ता युक्त सामग्री के विपणन और कालातीत हो चुकी सामग्री का निस्तारण आवश्यक रुप से करने के निर्देश दिए गए। इस मौके खाद्य सुरक्षा सहायक गजेंद्र सिंह और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तेजपाल रावत मौजूद थे।

थिएटर विभाग दून विवि ने किया सूचना का अधिकार अधिनियम पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन

देहरादून। दून विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 5 से 12 अक्टूबर तक आर.टी.आई. (फळक) सप्ताह मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य जनसामान्य में सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में कला, निबंध, प्रतियोगिता एवं नुक्कड़ नाटक जैसे विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी श्रृंखला में थिएटर विभाग, दून विश्वविद्यालय द्वारा ह्वराइट टू इन्फॉर्मेशनह्व शीर्षक से एक नुक्कड़ नाटक का सफल मंचन किया गया। यह नाटक एक बुजुर्ग व्यक्ति की कहानी पर आधारित था, जो अपनी कर्ज माफी की फाइल को लेकर महीनों से सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहा है। दफ्तर का बाबू उसका कार्य करने के बदले पांच हजार की रिश्वत मांगता है। निराश व्यक्ति की मुलाकात एक युवा नागरिक से होती है, जो उसे सूचना का अधिकार अधिनियम के बारे में जागरूक करता है। उसके अधिकारों की जानकारी मिलने के बाद वह व्यक्ति आरटीआई लगाता है और परिणामस्वरूप बाबू को उसका कार्य तुरंत करना पड़ता है। नाटक ने समाज में पारदर्शिता और जन–जागरूकता की महत्ता का सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम के अवसर पर प्रोफेसर सुरेखा डंगवाल, कुलपति, दून विश्वविद्यालय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सूचना का अधिकार नागरिकों को शासन में भागीदारी और पारदर्शिता प्रदान करता है। प्रोफेसर एच. सी. पुरोहित ने कहा कि ऐसे नाटक समाज में जन–जागरण का प्रभावी माध्यम हैं। श्री दुर्गेश डिमरी, कुलसचिव, ने अपने संबोधन में कहा कि आरटीआई अधिनियम लोकतांत्रिक व्यवस्था की आत्मा है, जो नागरिकों को अपनी बात रखने का सशक्त माध्यम देता है। इस अवसर पर डॉ. अजीत पंवार, डॉ. कैलाश कंडवाल, डॉ. मानवेंद्र सहित विभाग के अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

स्मैक तस्करी में दो लोग गिरफ्तार, 16.97 ग्राम स्मैक बरामद

विकासनगर। कोतवाली विकासनगर की बाजार चौकी और डाकपत्थर पुलिस चौकी पुलिस ने दो स्मैक तस्करों को गिरफ्तार किया है। दोनों के कब्जे से 16.97 ग्राम स्मैक बरामद की गई है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस ऐक्ट में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। कोतवाल विनोद गुसांई ने बताया कि स्मैक तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को डाकपत्थर चौकी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जे से 8.30 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की गई है। आरोपी को चेंकिग के दौरान पीठ वाली गली के ग्राउंड से गिरफ्तार किया गया। आरोपी की पहचान फुरकान पुत्र स्व इमरान निवासी विशाल कॉलोनी डाकपत्थर के रूप में हुई है। आरोपी ड्राइवर है और पहले भी स्मैक तस्करी में जेल जा चुका है।

भाजपा नेत्री बचना शर्मा पर दो मुकदमे दर्ज

विकासनगर। लाखामंडल निवासी भाजपा नेत्री और पूर्व मंडल अध्यक्ष क्वांसी बचना शर्मा पर दो अलग–अलग मामलों में मुकदमे दर्ज किए गए हैं। एक मामले में बचना शर्मा और उनके पति पर लाखामंडल ग्राम पंचायत की खुली बैठक में एक ग्रामीण से मारपीट और गाली–गलौज का आरोप है। जबकि, दूसरे मामले में लाखामंडल के ही अन्य ग्रामीण ने बचना शर्मा पर उनकी बेटी समेत परिवार के खिलाफ सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने दोनों मामलों में गुरुवार देर रात मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष चकराता चंद्रशेखर नौटियाल के अनुसार, विरेंद्र भट्ट पुत्र महिमानंद भट्ट ग्राम लाखामंडल ने तहरीर देकर बताया कि बीते आठ अक्तूबर को लाखामंडल स्थित शिव मंदिर परिसर में ग्रामसभा की बैठक चल रही थी।

इस दौरान वहां ग्रामसभा के लोगों के साथ बचना शर्मा और उनके पति ओमप्रकाश भी मौजूद थे। विरेंद्र का आरोप है कि जैसे ही बैठक में उन्होंने अपनी बात रखी तो बचना देवी और ओमप्रकाश आग बबूला हो गए। दोनों ने उसके साथ मारपीट की। उन्हें जिंदा जलाने की धमकी दी। जब वह शाम को बचना देवी और उनके पति ओमप्रकाश के खिलाफ लाखामंडल पुलिस चौकी में रिपोर्ट दर्ज करवाने गए तो कुछ देर बाद वह दोनों भी चौकी में आ गए। चौकी के बाहर भी दोनों ने उसके साथ जूते–चप्पलों से मारपीट की। वहीं, दूसरे मामले में खुशीराम गौड़ निवासी लाखामंडल ने तहरीर दी है।

आईएसआई मार्क वाला हेलमेट ही सुरक्षित

हल्द्वानी। दोपहिया वाहन चालक कमजोर गुणवत्ता और बेजान हेलमेट पहनकर सफर कर रहे हैं। जिस कारण हादसों का खतरा बढ़ रहा है। आंकड़ों में खुलासा हुआ है कि रोजाना 20 लोगों का घटिया हेलमेट में पुलिस चालान कर रही है। साथ ही उन्हें बेहतर गुणवत्ता का हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित कर रही है। कुमाऊं में बीते दिनों चलाए गए ड्रंक एंड ड्राइव अभियान के दौरान दोपहिया वाहनों पर भी कार्रवाई की गई थी। जिसमें नशे में वाहन दौड़ाने, बिना हेलमेट व कागजात समेत कमजोर या घटिया गुणवत्ता के हेलमेट पहनकर सफर करने के मामले सामने आए है। महीने भर में 600 से अधिक लोग छह जिलों में ऐसे मिले जो निम्न गुणवत्ता और बेहद कमजोर हेलमेट पहनकर वाहन चलाते पाए गए। औसतन रोज 20 लोगों का पुलिस चालान कर रही है। आईजी कुमाऊं रिद्धिम अग्रवाल ने बताया कि यातायात नियमों को तोड़ने वालों पर कार्रवाई के निर्देश सभी जिलों को दिए हैंयातायात निरीक्षक हल्द्वानी महेश चंद्रा ने बताया कि यातायात नियमों के अनुसार आईएसआई मार्क वाला हेलमेट ही सुरक्षित माना जाता है। यह मार्क यह सुनिश्चित करता है कि हेलमेट भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों को पूरा करता है। यह हेलमेट सिर को गंभीर चोटों को बचाता है। लोग सस्ते के चक्कर में घटिया गुणवत्ता का हेलमेट खरीद रहे हैं। 800 से 1000 रुपये में आईएसआईएस मार्क का हेलमेट मिल जाता है मगर सस्ते के चक्कर में लोग 300–400 रुपये वाला असुरक्षित हेलमेट ले रहे हैं।

व्यापारी ने पीसी कर लगाया मारपीट का आरोप

हरिद्वार। खन्ना नगर निवासी व्यापारी आशीष कुमार गुप्ता ने हरियाणा निवासी व्यापारी पर गुरुवार को मारपीट का आरोप लगाया। बताया कि बीच बचाव में आए बेटे को भी पीटकर घायल कर दिया। उन्होंने बताया कि चार वर्ष पहले आरोपी का मकान निर्माण कार्य किया था लेकिन पैसे नहीं मिले। बार बार पैसे मांगने पर जान से मारने की धमकी दी जाती है। गुरुवार को भी कुछ असामाजिक तत्वों को घर पर भेजकर बाहर हमला करवा दिया। हमले में उनकी आंख और शरीर में चोटें आई और एक आंख पूरी तरह से खराब हो गई है। बेटे को भी पीटा। इसकी शिकायत पुलिस को दी गई लेकिन पुलिस सिर्फ जांच का हवाला देकर टाल रही हैं। आशीष की मां संतोष गुप्ता ने कहा कि बच्चों को मारा पीटा जा रहा है।

गुरुकुल कांगड़ी में एनसीसी का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी के विश्वविद्यालय भवन में 31 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी हरिद्वार एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) ग्रुप मुख्यालय, रुड़की के तत्वावधान में दस दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। इस शिविर में जूनियर और सीनियर डिवीजन के 400 एनसीसी कैडेट प्रतिभाग कर रहे हैं।शिविर का शुभारंभ ग्रुप कमांडर एनसीसी रुड़की ब्रिगेडियर प्रभात भंडारी ने किया। प्रशिक्षण शिविर में ब्रिगेडियर प्रभात भंडारी ने कैडेट्स को एकता और अनुशासन पर विस्तृत जानकारी के साथ ही पढ़ाई, सोशल एवरनेस एवं मोबाइल फोन से बचने के लिए फास्टिंग के लिए अवेयर किया साथ ही 10 दिवसीय चलने वाले शिविर में प्रतिभागियों को अनुशासन के साथ कैंप में होने वाली गतिविधियों, वाद–विवाद, मैंप रिडिंग, ड्रिल, क्विज,सांस्कृतिक कार्यक्रमों आदि में सक्रियता के साथ भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत ने कैंडिट्स को डिजास्टर मैनेजमेंट के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई जिसमें गत दिनों उत्तराखंड राज्य में विभिन्न स्थानों पर जो आपदा आयी थी उन आपदाओं से होने वाले जन धन की जो हानि हुए थी इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में हम लोग जगह जगह आपादा के बारे में सुन और पढ़ रहे है इसके पीछे का मुख्य कारण जनसंख्या, प्रकृति के साथ छेड़छाड़, शहरीकरण एवं अनप्लांनड योजनाएं है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की तरफ़ से डिस्टेस्टर मैनेजमेंट के लिए 50 एनसीसी कैडेट्स को अगले 07 दिनों में परिक्षण दिया जाएगा, उन्होंने कैडेट्स से अपील की कि मन लगाकर प्रशिक्षण प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण उपरांत इमरजेंसी रिस्पांस किट सर्टिफिकेट भी प्रदान किया जाएगा। इस दौरान कर्नल गौरव प्रसाद नौगियान,मास्टर ट्रेनर मनोज कंडियाल प्रताप , एएनओ , एनसीसी टीचर ,बटालियन के सैन्य अधिकारी, विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापक, एनसीसी अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी दीक्षित ने विकास खंड बदराबाद का किया औचक निरीक्षण

हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने आज विकास खंड बहादराबाद एवं विकास खंड परिसर में स्थित कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने विकास खंड बहादराबाद का निरीक्षण करते हुए विकास खंड में तैनात अधिकारियों एव कर्मचारियों को उपस्थिति का जायजा लिया तथा विकास खंड के माध्यम से संचालित विकास परख जन कल्याणकारी योजनाओं जिसमें राज्य वित्त,विधायक निधि एवं मनरेगा के तहत किए गए कार्यों से संबंधित पत्रावलियों का गहन निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी एवं लेखाकार एवं विभिन्न विभागों के विकास खंड में तैनात जूनियर अभियंता को निर्देश दिए है कि उनके माध्यम से जो भी विकास परख योजनाओं का कार्य किया जा रहा है उन कार्यों को धरातल पर कार्य करते हुए गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ करना सुनिश्चित करे, इसमें किसी भी प्रकार की कोई शिथिलता एवं लापरवाही न बरती जाए,उन्होंने सभी अधिकारियों एव कर्मचारियों को सचेत किया है कि उनके माध्यम से संचालित कार्यों में यदि किसी व्यक्ति द्वारा शिकायत की जाती है कि कार्य गुणवत्ता के साथ नहीं किया गया है तो संबंधित कार्यों की जांच कराई जाएगी यदि जांच में कोई गड़बड़ी एवं अनियमिता पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी एवं कार्मिक के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए है कि किसी भी निर्माण कार्यों के लिए आमंत्रित किए जाने वाले कोटेशन एवं ई टेंडर प्रक्रिया को नियमानुसार एवं पारदर्शिता के साथ कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी पटल सहायकों को निर्देशित किया है कि उनके माध्यम से जो भी कार्य संचालित किए जा रहे है उन कार्यों की पत्रावलियों का रख रखाव ठीक ढंग से करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए है कि विकास खंड में अपनी समस्याओं एवं कार्यों को लेकर आने वाले आम जनमानस की कार्यों एवं समस्याओं का निस्तारण समयबद्धता एवं प्राथमिकता से करना सुनाश्चित करे इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता एवं लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी एवं सभी पटल सहायकों को निर्देश दिए है कि उनके माध्यम से जो भी कार्य किए जा रहे है उन कार्यों को ई ऑफिस के माध्यम से करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी द्वारा प्रधान मंत्री आवास योजना,उद्यान विभाग एव पशु पालन के कार्यालयों का भी औचक निरीक्षण कर कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों एव कार्मिकों की उपस्थिति की जानकारी ली गई एवं उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी ली गई। जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी को निर्देश दिए है कि विकास खंड परिसर में अवस्थित कार्यालयों के जो भवन जीर्णशीन है उनके संबंध में विस्तृत आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए ताकि पुराने जीर्णशीन भवनों के स्थान पर नया भवन तैयार किए जाने हेतु प्रस्ताव शासन को भेजा जा सके,जिससे एक स्थान पर कई कार्यालयों का संचालन किया जा सके जिससे कि आम जनमानस को एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं उपलब्ध हो सके।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

–सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com